04 - जम्मू-कश्मीर : प्रयोग और परिवर्तन के प्रयासों की परीक्षा

05 - भोजपुरी आंदोलन और अमरनाथी विलाप

06 - बालाजीपुरम के श्रीकृष्ण मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण...

07- लोगों ने कहा दुकाने सड़क पर होंगी तो हम क्या हवा में उड़े, शहर...

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 29 अगस्त, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-1 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

भारत को 2026 तक नक्सल-फ्री करना चाहते हैं अमित शाह, कैसे ?

मयंक कुमार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ पुलिस को आश्वासन दिया है कि नक्सल गतिविधियों पर उनकी चल रही कार्रवाई के लिए उन्हें हथियार या दूरसंचार उपकरण जैसे सभी संसाधन 20 दिनों के भीतर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। मीडिया से बात करते हुए शाह ने इस बात पर जोर दिया कि अब देश में नक्सल समस्या पर 'अंतिम प्रहार' करने का समय आ गया है और इस मुद्दे से निपटने के लिए 'मजबूत और निर्मम रणनीति' की जरूरत है।

शाह छत्तीसगढ़ के रायपुर में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद प्रेस से बात कर रहे थे, जहां उन्होंने मार्च 2026 तक भारत को 'नक्सल मुक्त' बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया। बैठक से अवगत अधिकारियों ने कहा कि गृह मंत्री सीमावर्ती क्षेत्रों में अभियान चलाने की किसी भी योजना के लिए राज्य पुलिस बलों के साथ सहयोग करने के बारे में बहुत 'स्पष्ट' हैं। बैठक में शामिल एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, 'यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि माओवादी सुरक्षा बलों से बचने के लिए राज्यों के बीच सीमाओं पर खामियों का फायदा उठाते हैं, और अन्य सुरक्षा एजेंसियों और बलों के साथ सहयोग बढ़ाने और खुफिया संचार के सुचारू हस्तांतरण पर जोर दिया गया ताकि बेहतर तैयारी और संचालन की योजना बनाई जा सके।' शाह ने कहा कि वर्ष 2022, चार दशकों में पहला वर्ष होगा जब हताहतों की संख्या 100 से नीचे आ गई। इसके अतिरिक्त, 2014 से 2024 के दशक में वामपंथी उग्रवाद की सबसे कम घटनाएं दर्ज की गईं और इस अवधि के दौरान शीर्ष 14 नक्सली नेताओं को निष्प्रभावी कर दिया गया।

उन्होंने कहा, '2004 से 2014 के बीच 16,463 घटनाएं दर्ज की गईं और 2014 से 2024 के बीच 7,744 घटनाएं दर्ज की गईं, जो 53 प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट को दर्शाता है। 2004-2014 के बीच सुरक्षा बलों और नागरिकों के बीच 6,617 हताहत हुए, जो 70 प्रतिशत कम है।' उन्होंने कहा- इसके अलावा, सुरक्षा बलों के हताहतों की संख्या में 73 प्रतिशत की कमी आई, जबकि वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं के कारण नागरिकों की मृत्यु में 69 प्रतिशत की कमी आई।

गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका के अलावा, बैठक में छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) ने भाग लिया। झारखंड का प्रतिनिधित्व एक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रैंक के अधिकारी ने किया। ऊपर उद्धृत अधिकारी के अनुसार, शाह ने नक्सल प्रभावित राज्यों के डीजीपी और मुख्य सचिवों को नक्सलियों की आवाजाही के साथ-साथ उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में विकास पर 'निरंतर निगरानी' रखने को कहा है।

उन्होंने डीजीपी से हर हफ्ते नक्सल विरोधी अभियानों में शामिल अधिकारियों से मिलने को भी कहा, जबकि मुख्य सचिवों को हर 15 दिन में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। बैठक में मौजूद एक अन्य अधिकारी ने बताया, 'छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों में ऐसी कई बैठकें पहले से ही हो रही हैं, जहां माओवादी समस्या अभी भी मौजूद है, लेकिन अब जब इस तरह की उच्च स्तरीय बैठक में बैठक की समयसीमा और एसओपी पर चर्चा हो चुकी है, तो अब यह नक्सल प्रभावित राज्यों में नीति बन जाएगी।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाह ने घोषणा की कि विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार अगले एक या दो महीने में नई आत्मसमर्पण नीति पेश करेगी। इस नीति का उद्देश्य नक्सली कैडरों को समाज में फिर से शामिल होने का अंतिम अवसर प्रदान करना है। एक अधिकारी ने बताया कि इस नीति पर गृह मंत्रालय स्तर पर विचार-विमर्श किया जाएगा और यह नक्सलियों के लिए एक अद्यतन राष्ट्रव्यापी आत्मसमर्पण नीति बन सकती है. विवरण से अवगत एक अधिकारी ने कहा, 'जैसे ही छत्तीसगढ़ सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा सशक्त होकर, आत्मसमर्पण नीति को अंतिम रूप देगी, केंद्र इसकी समीक्षा करेगा और संभवतः इसे राष्ट्रीय नीति के रूप में अपनाएगा।'

बैठक के दौरान माओवादियों के वित्त पोषण पर चर्चा का मुख्य विषय रहा। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के अधिकारियों से माओवादियों को मिलने वाली वित्तीय सहायता को रोकने के लिए विशिष्ट विचार और नीतियां प्रदान करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने पहले ही माओवादियों से संबंधित कई मामलों को, जिनमें उनके वित्त से जुड़े मामले भी शामिल हैं, गृह मंत्रालय के निर्देश पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया है।

बैठक में शाह ने सभी राज्यों से प्रत्येक राज्य में माओवादियों को वित्तपोषित करने वाले बुनियादी ढांचे और सपोर्ट नेटवर्क पर 'पूरी तरह से हमला' करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। शाह ने वामपंथी उग्रवाद के मामलों में एनआईए को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया और सुझाव दिया कि वर्तमान में पुलिस बलों द्वारा संभाले जा रहे ऐसे सभी मामलों को एनआईए को सौंप दिया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, जांच और अभियोजन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को एनआईए विशेषज्ञों से प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए जो आतंकवाद के वित्तपोषण के मामलों में विशेषज्ञ हैं।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि प्रत्येक नक्सल प्रभावित राज्य में एक राज्य जांच एजेंसी स्थापित करने के बारे में चर्चा हुई। ये एजेंसियां एनआईए का समर्थन करने वाले नोडल निकायों के रूप में कार्य करेंगी, जो कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मार्च में माओवादी मामलों को विशेष रूप से संबोधित करने के लिए स्थापित एसआईए के समान हैं। गृह मंत्री ने बैठक में मौजूदा राज्य सरकार की भी तारीफ़ की, साथ ही आरोप लगाया कि भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान नक्सल विरोधी अभियान धीमा पड़ गया था। शाह ने कहा, 'जब से [भाजपा] सरकार सत्ता में आई है, तब से गिरफ़्तारियाँ, आत्मसमर्पण, न्यूट्रलाइज़ेशन और विकास की संख्या में वृद्धि हुई है।'

बैठक में मौजूद अधिकारियों ने बताया कि बैठक में शामिल सुरक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी माओवादियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ के अभियान की सराहना की। एक अधिकारी ने कहा, 'छत्तीसगढ़ माओवादियों की लगभग 80 प्रतिशत समस्या से निपट रहा है और इसलिए छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की सफलता और विफलता दोनों का लाल सेना के खिलाफ केंद्र की लड़ाई पर असर पड़ेगा। इसलिए, कार्रवाई और अभियान की सराहना की गई।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

बिछड़ गए तो ये दिल उम्र भर लगेगा नहीं
लगेगा लगने लगा है मगर लगेगा नहीं
नहीं लगेगा उसे देख कर मगर ख़ुश है
मैं ख़ुश नहीं हूँ मगर देख कर लगेगा नहीं
हमारे दिल को अभी मुस्तक़िल पता न बना
हमें पता है तेरा दिल उधर लगेगा नहीं
जुनूँ का हज्म ज़्यादा तुम्हारा ज़र्फ़ है कम
ज़रा सा गमला है इस में शजर लगेगा नहीं
इक ऐसा ज़ख़्म-नुमा दिल क़रीब से गुज़रा
दिल उस को देख के चीख़ा ठहर लगेगा नहीं
जुनूँ से कुंद किया है सो उस के हुस्न का कील
मिरे सिवा किसी दीवार पर लगेगा नहीं
बहुत तवज्जोह तअल्लुक़ बिगाड़ देती है
ज़ियादा डरने लगेंगे तो डर लगेगा नहीं।

- उमैर नजमी

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 47 औद्योगिक इकाइयों का वर्चुअल भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया

गुना-ग्वालियर में अडाणी ग्रुप करेगा 3500 करोड़ का निवेश

शिवपुरी में डिफेंस सिस्टम, बदरवास में महिला ऑपरेटेड जैकेट फैक्ट्री, 4 हजार लोगों को रोजगार

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में सीएम डॉ. मोहन यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की शुरुआत की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुना-ग्वालियर इलाके में अकेले अडाणी ग्रुप ही साढ़े तीन हजार करोड़ का निवेश कर रहा है। इससे साढ़े चार हजार रोजगार का सृजन होगा। अडाणी ग्रुप के करण अडाणी ने कहा, हम गुना में 2 मिलियन टन सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट और शिवपुरी में डिफेंस सेक्टर में इन्वेस्ट करने जा रहे हैं। इसके साथ ही बदरवास में पूरी तरह से महिला ऑपरेटेड जैकेट फैक्ट्री लगाई जाएगी। ये इन्वेस्टमेंट 3500 करोड़ का होगा। मध्यप्रदेश में 6 महीने में ये तीसरा कॉन्क्लेव है। इससे पहले जुलाई में जबलपुर और फरवरी में उज्जैन में कॉन्क्लेव हो चुके हैं। उज्जैन और जबलपुर के मुकाबले ग्वालियर के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों की दिलचस्पी ज्यादा है। इसकी वजह यह है कि देश के 7 बड़े रोड कॉरिडोर ग्वालियर-चंबल रीजन से होकर या इसके पास से गुजरते हैं।

9 सेक्टर के इंडस्ट्री प्रमुखों ने ग्वालियर-चंबल रीजन में अपने उद्योग लगाने में दिलचस्पी दिखाई है। गोदरेज कंपनी ग्वालियर में साढ़े 4 सौ करोड़ का इन्वेस्टमेंट करने जा रही है। पर्सनल केयर के बाद अब होम केयर और हेयर केयर में एक्सटेंशन के लिए मालनपुर में नई यूनिट शुरू की गई है।

उद्योग समूहों और निवेशकों ने मध्यप्रदेश सरकार पर जताया भरोसा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर में हो रही इन्वेस्टर समिट में, अब तक हुई सभी इन्वेस्टर समिट से बेहतर परिणाम आने की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश के विभिन्न भागों में की जा रही इन्वेस्टर समिट के परिणाम प्रोत्साहित करने वाले हैं। उद्योग समूहों और निवेशकों ने मध्यप्रदेश सरकार पर भरोसा जताया हैं, राज्य सरकार उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारा देश राम-कृष्ण का देश - सीएम मोहन यादव ने कहा कि हमारा देश को राम-कृष्ण का देश है। इनसे सीखना चाहिए की शासन और विकास कैसे किया जाता है। भगवान कृष्ण तो कंस वध के बाद द्वारिकाधीश बने।

भारी बारिश से गुजरात में 'जल तांडव'

हर ओर सिर्फ हाहाकार, हाल हुए बेहाल, 50 ट्रेनें रद्द

18 जिलों में बाढ़,15 लोगों की जान गई,सेना तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के 13 जिलों में पिछले 24 घंटे में 200 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। 18 जिलों में बाढ़ के हालात हैं, 5 जिलों राजकोट, आणंद, मोरबी, खेड़ा, वडोदरा और द्वारका में सेना को तैनात किया गया है। गुजरात में बाढ़-बारिश के चलते पिछले 3 दिनों में 15 लोगों की मौत हो गई। 23 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 50 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। अहमदाबाद, राजकोट, बोटाद, आणंद, खेड़ा, महिसागर, कराच और मोरबी में प्राइमरी-सेकेंडरी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी है। बुधवार और गुरुवार को सौराष्ट्र और कच्छ में बेहद भारी बारिश का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में भी लखनऊ-आगरा समेत 10 जिलों में बारिश हो रही है। वाराणसी में इतनी बारिश हुई कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां डूब गईं। पिछले 24 घंटे में 40 जिलों में 4.7 मिमी बारिश हुई है। बलिया में सरयू नदी खतरे के निशान से 1 मीटर ऊपर बह रही है।

सरकार के आंकड़ों के मुताबिक गुजरात में बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। कच्छ, सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में सालाना औसत बारिश का आंकड़ा 100 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है। राज्य के 76 बांध और तालाब 100 फीसदी भरे हुए हैं। आईएमडी ने बताया है कि सौराष्ट्र-कच्छ में 2 दिन तक बारिश का रेड अलर्ट है। इसके अलावा अन्य जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहेगा। 40-60 किमी/घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। कई जिलों में बिजली गिरने का भी अलर्ट है। गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल ने बताया कि बाढ़ को लेकर पीएम मोदी से फोन पर बात हुई है।

ईसी ने नहीं लिया हरियाणा चुनाव तारीख बदलने पर फैसला

- आयोग का बीजेपी को झटका, पहले कांग्रेस समेत बाकी दलों से भी होगी चर्चा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख में बदलाव पर अंतिम फैसला आना बाकी है। इस पर फैसला लेने से पहले चुनाव आयोग राज्य की अन्य पार्टियों से भी राय लेने की तैयारी कर रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही वह अन्य राजनीतिक दलों से भी इस मुद्दे पर चर्चा करेगा। भाजपा ने मतदान डेट से पहले और बाद में छुट्टियों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के समक्ष बदलाव की मांग रखी। भाजपा का तर्क था कि लंबी छुट्टियों के कारण लोग घूमने जा सकते हैं। ऐसे में मतदान प्रतिशत कम हो सकता है। इनेलो ने भी इसका समर्थन किया। आयोग सभी दलों की सहमति होने पर ही कार्यक्रम में बदलाव पर आगे बढ़ेगा। सूत्रों की मानें तो आयोग भी इन दलों से सहमत है, लेकिन वह इस मुद्दे पर राज्य के अन्य दलों की राय भी जानना चाहता है। अगर सभी दल इस पर सहमत होते हैं, तो बदलाव किया जा सकता है।

देश में जोधपुर-आगरा समेत 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर बनेंगे

10 राज्यों में 28 हजार करोड़ की स्कीम मंजूर, 40 लाख नौकरियां मिलेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देशभर में 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित करने की मंजूरी दी है। इससे लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने आज राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 12 औद्योगिक स्मार्ट शहरों को मंजूरी दी है। इससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिल सकेगा। इस योजना पर 28,602 करोड़ रुपये का निवेश होगा। वैष्णव ने बताया कि 10 राज्यों में फैली छह प्रमुख आर्थिक गलियारे भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान के जोधपुर-पाली में स्थित होंगे। वैष्णव ने बताया कि प्रस्तावित 12 स्मार्ट औद्योगिक शहरों में लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये की निवेश संभावनाएं पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि यह कदम देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा, औद्योगिक नोड्स और शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार करेगा जो आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को काफी बढ़ावा देगा। वैष्णव ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों को वैश्विक मानकों के ग्रीनफील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 29 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती नहीं लड़ेंगी विधानसभा चुनाव

17 कैंडीडेट की दूसरी लिस्ट जारी,पहली लिस्ट में बेटी इल्तिजा मुफ्ती का नाम था

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने 17 सीटों पर प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इससे पहले 22 अगस्त को 8 उम्मीदवारों की सूची जारी की गई थी। इसमें पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा का नाम भी था। दूसरी लिस्ट जारी होने के कुछ देर बाद महबूबा ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया था। महबूबा इस साल हुए लोकसभा चुनाव में अनंतनाग से मैदान में थीं, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर को पहले चरण की वोटिंग होगी। 27 अगस्त को नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। चुनाव आयोग के मुताबिक, सात जिलों के 24 विधानसभा क्षेत्रों में 279 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। अनंतनाग जिले में कुल 72 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके बाद पुलवामा जिले में 55, डोडा जिले में 41, किश्तवाड़ में 32, शोपियां में 28, कुलगाम में 28, जबकि रामबन में 23 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। पहले चरण के चुनाव में 23.27 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। जिनमें से 11.76 लाख पुरुष मतदाता और 11.51 लाख महिला मतदाता हैं, साथ ही 60 थर्ड जेंडर वोटर्स हैं। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों के लिए 18 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच 3 चरणों में मतदान होंगे। नतीजे 4 अक्टूबर 2024 को आएंगे। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 46 है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अब तक तीन लिस्ट जारी की हैं। कुल 45 कैंडीडेट उतारे हैं। पार्टी ने 26 अगस्त को सुबह 10 बजे 44 नामों की लिस्ट जारी की थी। विरोध हुआ तो लिस्ट वापस ले ली। इसके दो घंटे बाद 15 नाम की नई लिस्ट जारी की। तीन घंटे बाद सिंगल नाम की एक और सूची आई। 27 को को 29 कैंडीडेट्स की लिस्ट जारी की।

संक्षिप्त समाचार

मोहन भागवत को मिलेगी पीएम मोदी और शाह जैसी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस चीफ मोहन भागवत अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जैसी एडवांस सुरक्षा के बीच रहेंगे। उनके जेड प्लस सुरक्षा कवर को बढ़ाकर एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) कर दिया गया है। ऐसे में उनकी

सुरक्षा में अब और सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। उनका सुरक्षा घेरा पहले से भी ज्यादा पुख्ता होगा। हाल ही में गृह मंत्रालय की ओर से की गई समीक्षा बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। खबर के मुताबिक समीक्षा बैठक में पाया गया कि गैर बीजेपी शासित राज्यों में मोहन भागवत की सुरक्षा के दौरान ढिलाई बरती गई है। ऐसे में संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा में इजाफा करने का फैसला लिया गया है।

नारायण राणे और आदित्य ठाकरे के समर्थकों के बीच झड़प

सिंधुदुर्ग (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में राजकोट किले में 2 दिन पहले गिरी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा को लेकर राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गए हैं। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और भाजपा सांसद नारायण राणे अपने-अपने समर्थकों के साथ एक ही

समय पर राजकोट के किले (जहां शिवाजी की प्रतिमा थी) पहुंचे। यहां दोनों के समर्थक आपस में भिड़ गए। बुधवार सुबह आदित्य ठाकरे किले में अपने समर्थकों के साथ चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान नारायण राणे अपने बेटे निलेश राणे और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ राजकोट किला पहुंचे। यहां तैनात पुलिस अधिकारियों से उनकी बहस होने लगी।

बड़ा दावा! चंपाई सोरेन की हो रही थी जासूसी

- हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा- फोन भी टेप हुआ होगा, हनी ट्रैप की थी साजिश

रांची (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने झारखंड पुलिस के दो अधिकारियों को हिरासत में लिया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिश्वा सरमा ने दावा किया कि दोनों अधिकारी मंत्री चंपाई सोरेन की जासूसी कर रहे

थे। उन्होंने दावा किया कि झारखंड के एक आईजी स्तर के अधिकारी के निर्देश पर चंपाई सोरेन पर नजर रख जा रही थी। स्पेशल ब्रांच के दोनों अधिकारियों को उस वक्त चंपाई सोरेन के लोगों ने पकड़ा, जब दोनों कुछ तस्वीर ले रहे थे। हिमंता बिस्वा सरमा ने दावा किया कि चंपाई सोरेन कोलकाता से होते हुए दिल्ली गए थे और दोनों बार ताज होटल में रुके थे।

और अफ्रीकी चीते बहुत जल्द आएंगे भारत,फैसला

कूनो नहीं, गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य होगा नया ठिकाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने इस साल के अंत तक 12 से 14 और चीतों को भारत लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इस सिलसिले में बातचीत करने के लिए जल्द ही भारतीय प्रतिनिधिमंडल दक्षिण अफ्रीका की यात्रा कर सकता है। मामले से जुड़े अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक इसके लिए केन्या के साथ भी बातचीत की जा रही है और एक समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है। चीतों के अगले समूह को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाने की योजना है। एक अधिकारी ने बताया, ''हम इस मामले पर दक्षिण अफ्रीका से बातचीत कर रहे हैं।

एक प्रतिनिधिमंडल ग्राउंड लेवल पर बातचीत करने के लिए सितंबर के अंत में या अक्टूबर की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगा। चीतों का अगला समूह इन दोनों में से किसी भी देश से आ सकता है।'' उन्होंने कहा, ''हमने दक्षिण अफ्रीका को बताया है कि हम चीता प्रोजेक्ट स्टीरिंग कमेटी की सिफारिश और योजना के मुताबिक इस साल के अंत तक चीतों का एक और समूह लाने की कोशिश तेज करना चाहते हैं।''चीतों के अगले बैच को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाया जाएगा जिसे चीतों के रहने के लिए दूसरे घर के रूप में चुना गया है। गौरतलब है कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पहले से ही चीतों की क्षमता से 20 अधिक चीते हैं।

भारत की दूसरी न्यूक्लियर सबमरीन अरिघात बनकर तैयार

- 60 हजार क्विंटल वजन, 750 किमी तक मिसाइल अटैक की रेंज

आज नेवी को मिल सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दूसरी न्यूक्लियर सबमरीन अरिघात बनकर तैयार है। इसे कल यानी 29 अगस्त को इंडियन नेवी को सौंपा जा सकता है। अरिघात को 2017 में लॉन्च किया गया था। तब से इसकी टेस्टिंग जारी रही। अब फाइनली इसे कमीशन किया जाएगा। अरिघात आईएनएस अरिहंत का अपग्रेडेड वर्जन है। इसे विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना के शिप बिल्डिंग सेंटर में बनाया गया था। अरिहंत की तरह ही अरिघात भी 750 किलोमीटर की रेंज वाली के-15 मिसाइलों से लैस होगी। इस सबमरीन का वजन 6 हजार टन (60 हजार क्विंटल) है। भारतीय नौसेना अब तक 3 न्यूक्लियर सबमरीन तैयार कर चुकी है। इसमें

से एक अरिहंत कमीशंड है, दूसरी अरिघात मिलने वाली है और तीसरी डी 3 पर टेस्टिंग जारी है। इन सबमरीन के जरिए दुश्मन देशों पर परमाणु मिसाइल दागी जा सकती हैं। 2009 में पहली बार सांकेतिक तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर आईएनएस अरिहंत को लॉन्च किया था। इसके बाद 2016 में इसे नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। अगले 5 साल में दो और पनडुब्बियों को भारतीय नौसेना ने लॉन्च किया है। 2009 में लॉन्च करने से पहले भारत ने पनडुब्बियों को दुनिया से छिपा रखा था। 1990 में भारत सरकार ने एडवांस टेक्नोलॉजी वेसल प्रोग्राम शुरू किया था। इसके तहत ही इन पनडुब्बियों का निर्माण शुरू हुआ था। अरिघात समुद्र के अंदर मिसाइल अटैक करने में उसी तरह सक्षम है, जिस तरह अरिहंत ने 14 अक्टूबर 2022 को टेस्टिंग की थी। तब अरिहंत से इसकी सफल टेस्टिंग की गई थी। इसी के साथ भारत अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन के अलावा दुनिया का छठा न्यूक्लियर ट्रायड देश बन गया था।

बस बहुत हो गया, मैं भयभीत हूं...

- कोलकाता डॉक्टर हत्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता में डॉक्टर के रेप और मर्डर के वीभत्स मामले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने बुधवार कि किसी भी सभ्य समाज में बहनों और बेटियों के साथ इस तरह की बर्बरता नहीं होने दी जा सकती। उन्होंने कहा कि कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और

नागरिक प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न और हिंसा की घटनाओं पर दुख जताते हुए कहा कि हर चीज की हद होती है। उन्होंने कहा, निर्भया गैंगरेप की घटना हुए 12 साल बीत चुके हैं। समाज ने अनगिनत रेप की घटनाओं को भुला दिया है। एक समाज के तौर पर हमारी यह सामूहिक विस्मृति चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों से निपटना होगा।

बीजेपी के 'बंगाल बंद' के दौरान भारी बवाल-हिंसा

बीजेपी नेता की कार पर फायरिंग का दावा,हिरासत में लिए कई नेता

ममता बनर्जी बोलीं-16 दिन से सीबीआई जांच जारी, कहां है न्याय

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में छात्र संगठनों के प्रोटेस्ट मार्च के बाद भाजपा ने बुधवार को 12 घंटे का बंगाल बंद बुलाया है। बंद के दौरान कई जिलों में पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई है। कई नेताओं-वर्कर्स को हिरासत में लिया गया है। नॉर्थ 24 परगना जिले के भाटपारा में भाजपा नेता प्रियंगु पांडे की कार पर फायरिंग हुई। प्रियंगु ने बताया- टीएमसी के लगभग 50-60 लोगों ने हमला किया। गाड़ी पर 6-7 राउंड फायरिंग की और बम फेंके गए। ड्राइवर समेत दो लोगों को गोली लगी है। एक गंभीर है। सुबह से ही बंद के आह्वान के कारण पश्चिम बंगाल में बसें और ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहीं। इंडिगो, विस्तारा और स्पाइसजेट समेत प्रमुख एयरलाइनों ने शहर की खराब परिवहन व्यवस्था के कारण उड़ान बाधित होने की चेतावनी जारी की। प्रदर्शनकारी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस के साथ छिटपुट झड़प करते देखा गया। इस बीच, टीएमसी और भाजपा नेताओं के बीच इस मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहा।

बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनेगा नया कानून

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता की घटना की चौतरफा आलोचना और राज्य में बीजेपी के विरोध का सामना कर रही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा ऐलान किया है। ममता बनर्जी ने बीजेपी के राज्य

व्यापी बंद के बीच कहा है कि सरकार अगले हफ़्ते विधानसभा सत्र बुलाएंगी। इसमें बलात्कारियों के लिए मृत्युदंड सुनिश्चित करने के लिए 10 दिनों के भीतर एक विधेयक पारित किया जाएगा। हम इस विधेयक को राज्यपाल के पास भेजेंगे। अगर वह इसे पारित नहीं करते हैं, तो हम राजभवन के बाहर धरना देंगे। यह विधेयक पारित होना ही चाहिए और वह इस बार जवाबदेही से बच नहीं सकते। मुख्यमंत्री ने यह ऐलान बीजेपी के प्रदर्शन के दौरान किया।

असम में कैसे मुसलमान बढ़े और घट गए हिंदू

- श्वेत पत्र लाकर बताएगी राज्य की हिमंता सरकार

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार श्वेत पत्र लाकर बताएगी कि राज्य में कैसे मुसलमान बढ़ते चले गए और हिंदू घट गए। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को असम की जनसंख्या में पैदा हुए असंतुलन के बारे में पता चलेगा और खतरे का अनुमान लगा सकेंगे। उन्होंने कहा कि हम अप्रैल-मई तक श्वेत पत्र लाकर बताएंगे कि कैसे हिंदू बहुसंख्यक इलाकों में मुस्लिमों की संख्या बढ़ती चली गई लेकिन कोई सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई। दोनों समुदाय शांति से रहते रहे लेकिन जहां स्थिति इसके उलट है, वहां ऐसा नहीं है। इससे पहले मंगलवार को हिमंत बिस्वा सरमा ने विधानसभा में विधायकों से अपील

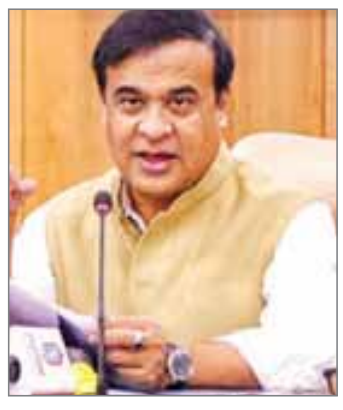

की थी कि वे यह तय करेंगे कि किसी भी इलाके में लोगों का पलायन न हो। उन्होंने कहा, हम असम में सांप्रदायिक सौहार्द्र और शांति बनाना चाहते हैं। यह श्वेत पत्र कई दिलचस्प चीजें बताएगा। आप देखकर हैरान रह जाएंगे कि चीजें कैसे बदल रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'पशु सेवा रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

बीमार एवं घायल पशुओं को मिलेगी उपचार व्यवस्था

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पशु सेवा रथ का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर और श्री अभय चौधरी उपस्थित थे।इस रथ को नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर द्वारा अपनी मौलिक निधि से 13 लाख 75 हजार से क्रय किया गया है। यह रथ ऐसे पशुओं को उठाकर लायेगा जो वाहनों की चपेट में आने के कारण घायल हो जाते हैं। साथ ही बीमारी के कारण भी अपने पैरों पर खड़े होने में असमर्थ होते हैं, जिन्हें उपचार की आवश्यकता होती है।

अब अमेरिकी सेना का 'दिमाग पढ़ेंगे' भारत के कर्नल,हुई डील

- रक्षा आपूर्ति पर सोसा और अमेरिकी कमांड में भारतीय अफसर की तैनाती की डील ● अमेरिका के तीन कमांडों में भारतीय सेना के कर्नल रैंक के अफसरों की तैनाती शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया अमेरिकी दौरे में भारत ने रक्षा समझौतों के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम बढ़ा दिया। भारत और अमेरिका के बीच दो प्रमुख समझौते हुए। इनमें एक भारत को अमेरिका की तरफ से रक्षा रसद की आपूर्तियों के लिए की गई डील सोसा (सिक्योरिटी ऑफ सप्लाइज अरेंजमेंट्स) है। दूसरी डील के तहत भारत को अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों में लाइजन अफसरों की तैनाती की अनुमति मिल गई है। सोसा जहां इंडो-यूएस डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम्स को और मजबूती देगा, वहीं लाइजन अफसरों की तैनाती के समझौते के तहत अब फ्लोरिडा स्थित अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड में कर्नल रैंक के एक भारतीय अफसर की तैनाती सुनिश्चित होगी। इसी डील में एक और अफसर को हवाई स्थित इंडो-

पैसिफिक कमांड में भी तैनाती मिलेगी। अलग-अलग अमेरिकी कमांड में भारतीय सैन्य अफसरों की तैनाती कोई आम बात नहीं। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की बातचीत में इस पर सहमति हुई।

कांग्रेस के आंदोलन में विभा पटेल को आए चक्कर

राजभवन जा रही कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका, महिलाओं ने नारेबाजी की

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस के नारी न्याय आंदोलन का दूसरा चरण बुधवार को भोपाल से शुरू हुआ। महिला कांग्रेस की सदस्यों ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर धरना-प्रदर्शन किया। इसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल शामिल हुईं। यहां से कार्यकर्ता राजभवन के लिए रवाना हुईं, लेकिन पुलिस ने उन्हें पहले ही रोक लिया। इस पर महिला नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन के दौरान गर्मी की वजह से विभा पटेल को चक्कर आ गया। वे नीचे बैठ गईं। साथी कार्यकर्ताओं ने उन्हें संभाला।

आरोप लगाया- मध्यप्रदेश महिला अत्याचार में पहले नंबर पर: सभा को संबोधित करते हुए विभा पटेल ने कहा, महिला अत्याचार में मध्यप्रदेश पहले नंबर पर है। यहां हर दिन रेप की 17 घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए बने कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। अपराधियों में खौफ होना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता। पीड़ित को भटकना पड़ता है। आर्थिक, सामाजिक और यौन उत्पीड़न, महिला आरक्षण, जातिगत जनगणना, बेलगाम महंगाई, चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे कई मुद्दे हैं। हम यह भी चाहते हैं कि लाड़ली बहनों की लिस्ट से काटे गए नाम वापस जोड़े जाएं।

आरक्षण मांगा- ये घर चला सकती हैं तो राज्य और देश भी चला सकती हैं: पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा- महिलाओं को विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। ये घर चला सकती हैं तो राज्य और देश भी चला सकती हैं। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा बोले कि हमें न्याय के लिए लड़ना है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही थी। अब लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में किसी महिला को न्याय की सबसे ज्यादा जरूरत है, तो जसोदाबेन को है।

29 जुलाई से शुरू हुआ था आंदोलन का पहला चरण: दरअसल, आजादी के दौरान चलाए गए अगस्त क्रांति आंदोलन की तर्ज पर कांग्रेस अगस्त महीने में लगातार आंदोलन और प्रदर्शन कर रही है। इसके तहत नारी न्याय आंदोलन का पहला चरण 29 जुलाई 2024 को दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू किया गया था।

युवा देश का वर्तमान हैं और कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है : श्रीमती कृष्णा गौर

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि युवा हमारे देश का वर्तमान हैं। और एक बात सदैव याद रखें कि कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है, जीवन में सफलता का कोई शॉटकट नहीं होता। राज्यमंत्री श्रीमती गौर बुधवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। श्रीमती गौर ने कहा कि एक अभिभावक के रूप में विश्वविद्यालय के एक-एक बच्चे को विश्वास दिलाना है, भरोसा देना है जिससे वह स्वतंत्रता के साथ यहां रहकर अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने पूरे मध्यप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय में इस प्रकार के दीक्षा समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य है कि हमारे नव प्रवेशित विद्यार्थियों को इस नए वातावरण में अपने आप को समाहित करने का अवसर मिले। विद्यार्थी को एक सकारात्मक वातावरण मिले, जिससे विद्यार्थी जो अपने सपने को लेकर वह यहां आए हैं उसे पूरा कर सके। विश्वविद्यालय परिवार के साथ समन्वय बैठा कर अपने सपने को साकार कर सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से धन्यवाद करती हूं जिनके निर्णय का उच्च शिक्षा विभाग ने पालन करते हुए हमारे नव प्रवेश विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार का समारोह आयोजित किया है। हमारी यह युवा पीढ़ी, जिसको हम भावी पीढ़ी मानते हैं और हमेशा कहते हैं कि हमारा युवा इस देश का भविष्य है, आप देश का वर्तमान भी है। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. के.सी. मंसूरी, प्रोफेसर विवेक मिश्रा, विवेक शर्मा, सुश्री अनीता और विश्वविद्यालय परिवार के सभी प्रोफेसर, गणमान्य नागरिक और युवा ऊर्जावान विद्यार्थी उपस्थित थे।

अगस्त की राशन सामग्री नहीं लेने वाले परिवारों को किये जा रहे एसएमएस

खाद्य मंत्री श्री राजपूत के निर्देश पर हुई कार्यवाही

भोपाल (नप्र)। माह अगस्त-2024 की राशन सामग्री उचित मूल्य दुकानों से अभी तक नहीं लेने वाले परिवारों को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। ऐसे उपभोक्ता अपनी अथवा वन नेशन वन राशन कार्ड के तहत किसी भी उचित मूल्य की दुकान से 31 अगस्त-2024 तक राशन प्राप्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देशित किया था कि समय पर राशन सामग्री नहीं प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाए। बुधवार को 13 लाख 33 हजार 542 परिवारों को एसएमएस किये जा चुके हैं।

अभी तक 87 प्रतिशत परिवारों ने लिया राशन : मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि अगस्त माह में अभी तक 87 प्रतिशत परिवारों ने राशन ले लिया है। शेष परिवारों को सूचना दी जा रही है।

सड़क, सीवेज के मुद्दे पर 'शहर सरकार' को घेरेगा विपक्ष

नेता प्रतिपक्ष बोलीं-अब तक खरीदने-बेचने, नामकरण पर ही चर्चा; अध्यक्ष को लेटर लिखा

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग 30 अगस्त को होगी। इसमें सड़क, सीवेज के मुद्दे पर 'शहर सरकार' को विपक्ष घेरेगा। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि अब तक हुई बैठकों में जनहित के मुद्दों पर बात नहीं की गई। सिर्फ सामान की खरीदी-बिक्री और नामकरण पर ही चर्चा हुई है। इसे लेकर अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी को लेटर भी लिखा है। नेता प्रतिपक्ष जकी ने बताया, वर्तमान परिषद की 9 बैठकें हो चुकी हैं। इनमें जनहित के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई। कांग्रेसी पार्षदों ने इसे लेकर विरोध भी जताया।

ये मुद्दे हों शामिल

नेता प्रतिपक्ष जकी ने अध्यक्ष सूर्यवंशी को लेटर लिखा। जिसमें कहा कि बारिश में शहर के कई इलाकों में जलभराव के हालात बन गए। सड़कें उखड़ गई। स्ट्रीट डॉग्स, गायों का भूखा मारना, तस्करी का मामला भी सामने आ चुका है। बावजूद ऐसे जनहित के मुद्दों को मीटिंग में शामिल नहीं किया जाता। इसलिए अध्यक्ष को पत्र लिखा है। ताकि, वे एजेंडे में इसे शामिल कर सके।

दुकानों की छतों को किराए से देगा निगम

बता दें कि 30 अगस्त को होने वाली मीटिंग का एजेंडा तय हो गया है। इसमें दो प्रमुख प्रस्ताव आएंगे। इन्हें लेकर महापौर मालती राय ने एमआईसी सदस्यों से चर्चा भी की है। वहीं, एमआईसी मीटिंग में यह प्रस्ताव मंजूर भी हो चुका है।

ये प्रस्ताव रखे जाएंगे

निगम स्वामित्व की किराए एवं लीज पर आवंटित दुकानों की छतों को किराए जाने पर दिया जाएगा। विभाग ने इसका प्रस्ताव बनाया है। जिससे निगम की आय बढ़ेगी। 10 नंबर मार्केट में भूमि का आवंटन होने के बाद अब पीपीपी मोड पर मल्टीलेवल पार्किंग एवं दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए भी एमआईसी ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

पार्षद पूछेंगे 10 से ज्यादा प्रश्न

एजेंडे के अनुसार- 2 जुलाई को हुए मीटिंग की कार्यवाही को सबसे पहले रखा जाएगा। फिर पार्षदों के प्रश्न-उत्तर होंगे। पार्षद 10 से ज्यादा प्रश्न पूछेंगे। अध्यक्ष सूर्यवंशी की अनुमति के बाद अन्य विषय भी रखे जाएंगे।

भोपाल में डेंगू के 8 महीने में 141 केस

समीक्षा में सामने आए आंकड़े; नक्शा अपडेटेशन में तहसीलदार पर कमिश्नर की नाराजगी

भोपाल (नप्र)। पिछले 8 महीने में भोपाल में डेंगू के 141 केस सामने आ चुके हैं। बुधवार को कमिश्नर संजीव सिंह की समीक्षा मीटिंग में ये आंकड़े सामने आए हैं। कमिश्नर सिंह ने डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों को रोकने के लिए जलभराव रोकने, दवा का छिड़काव करने को कहा। नक्शा अपडेटेशन में भोपाल के गोविंदपुरा तहसीलदार पर कमिश्नर नाराज भी हो गए। धीमी गति होने पर नाराजगी सामने आई। कमिश्नर सिंह ने राजस्व महाअभियान 2.0 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भोपाल में राजस्व महाअभियान 2.0 के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। नामांतरण, बंटवारा और अभिलेख दुरुस्ती में जिले में शत-प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण किया गया है, लेकिन यह प्रक्रिया सिर्फ अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। राजस्व प्रकरणों का निराकरण राजस्व अधिकारियों का मूल कर्तव्य है, इसे वे निरंतर जारी रखें। वे कार्य में आने वाली चुनौतियों को चिन्हांकित करें और उसका समाधान निकालें। उन्होंने नक्शा अपडेटेशन और ई-केवायसी में काम में तेजी लानू को कहा। हर राजस्व प्रकरण को आरसीएमएस पर दर्ज किए जाने और नामांतरण के बाद प्रकरण वेब जीआईएस पोर्टल पर दर्ज किए जाने को भी कहा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह भी मीटिंग में मौजूद थे।

स्वाइन फ्लू के सैंपल जांच के लिए भेजे

कमिश्नर सिंह ने स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों की रोकथाम और अच्छे इलाज के संबंध में भी कहा। मंकी पॉक्स, स्वाइन फ्लू, डायरिया, गैस्ट्रोएनट्राइटिस, मलेरिया, चिकन गुनिया, डेंगू आदि बीमारियों की स्थिति की समीक्षा की गई। मंकी पॉक्स का प्रदेश में अभी तक कोई प्रकरण नहीं है। इसकी जांच की सुविधा एनआईवी पुणे में उपलब्ध है। स्वाइन फ्लू के 24 सैंपल जांच के लिए एम्स भोपाल और गांधी मेडिकल कालेज भोपाल में भिजवाए गए हैं। डेंगू के जनवरी से अभी तक 141 प्रकरण सामने आए हैं।

भोपाल में 41 गौशालाएं

निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव ने बताया, पशुओं को सड़कों से हटाए जाने के लिए निगम द्वारा चार हाइड्रोलिक वाहन, उनके उपचार के लिए दो वाहन और गौशाला भेजने के लिए एक वाहन संचालित है। निगम द्वारा 5 कांजी हाउस एवं एक गौशाला अरवलिया में संचालित है। जिला पंचायत के अंतर्गत 41 गौशालाएं हैं जिनमें 18 गौशालाएं क्रियाशील हैं। शेष गौशालाओं में भी आवश्यक प्रबंधन कर उन्हें सक्रिय किए जाने के निर्देश जिला पंचायत को दिए गए।

सड़कों से हटाए मवेशी

मीटिंग में पशुपालन विभाग के समीक्षा के दौरान बताया कि निराश्रित गौवंश को सड़कों से हटाने और उनकी देखभाल के लिए भोपाल जिले में तीन माह का पायलेट प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत भोपाल, रायसेन-विदिशा और भोपाल-सीहोर-देवास राजमार्गों के लिए दो सेक्टर बनाए जाकर गौ पेट्रोलिंग वाहनों के माध्यम से 24 घंटे पेट्रोलिंग की जा रही है। निराश्रित गौवंश को निकटस्थ गौशाला में भिजवाया जाता है। अभी तक 306 गौवंश गौशालाओं में भिजवाए गए हैं। भोपाल जिले में 42 शासकीय और 20 अशासकीय गौशालाएं संचालित हैं। कमिश्नर ने सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र की गौशालाएं देखने और उक्त कार्य में पूरा सहयोग करने के निर्देश दिए।

लिखित आश्वासन के बाद राठौर ने धरना स्थगित किया

मुख्य महाप्रबंधक ने कहा-स्वत्वों की स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही, जल्द मिलेगा लाभ

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद कार्यालय परिसर में आमरण अनशन पर बैठे रिटायर कर्मचारी जीएल राठौर ने लिखित आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया है। उन्हें परिषद के मुख्य महाप्रबंधक ने लिखित में बताया है कि उनके स्वत्वों के भुगतान की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही उन्हें स्वत्व प्राप्त हो जाएंगे।

रिटायरमेंट के 10 माह बाद भी स्वत्वों (सामान्य भविष्य निधि, अवकाश नगदीकरण, ग्रेच्युटी, पेंशन और पेंशन सारांशीकरण के लाभ) का भुगतान न होने के कारण जीएल राठौर मंगलवार को परिषद के कार्यालय में आमरण अनशन पर बैठ गए थे। उन्होंने कहा था कि प्रकरण का निराकरण होने तक वे अनशन खत्म नहीं करेंगे। अनशन शुरू करते ही परिषद के मुख्य महाप्रबंधक ने राठौर को बताया कि उनके प्रकरण में स्वत्वों की स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है, जल्द ही उन्हें स्वत्वों का भुगतान कर दिया जाएगा पर राठौर अनशन पर बैठे रहे। आखिर समझाइश के बाद राठौर लिखित आश्वासन पर अनशन स्थगित करने को तैयार हुए। उल्लेखनीय है कि राठौर 30 सितंबर 2023 को परिषद से रिटायर हुए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश हैं कि कर्मचारी को रिटायरमेंट के साथ ही स्वत्वों का भुगतान कर दिया जाए, पर इस मामले में विभाग अपने ही नियम नहीं मान रहा है। राठौर इसी विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) में पदस्थ थे, जिसे बाद में मध्य प्रदेश कार्यगुणवत्ता परिषद का नाम दे दिया गया। परिषद बनाया तो निजाम भी बदला और परिषद एवं सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों के बीच पटरी न बैठने से परिषद से रिटायर हुए राठौर को स्वत्वों का भुगतान नहीं हो पा रहा है।

कौन बड़ा का झगड़ा

राठौर बताते हैं कि परिषद के मुख्य महाप्रबंधक और सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों में 'कौन बड़ा' का झगड़ा है। यही कारण है कि विभाग ने परिषद को आहरण संवितरण के अधिकार नहीं दिए।

रेलवे ट्रैक पर किए हमले में घायल व्यक्ति की मौत

15 साल पुरानी रंजिश का बदला लेने पत्थरों से किया था हमला

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बागसेवनिया इलाके में 10 दिन पहले हुए जानलेवा हमले में घायल युवक ने दम तोड़ दिया। उसके दो परिचितों ने शराब पिलाने के बाद उस पर हमला किया था। रेलवे ट्रैक किनारे पत्थर से पीट-पीटकर वारदात को अंजाम दिया गया। मृतक और आरोपियों के बीच 15 साल पुरानी रंजिश है। एएसआई अखिलेश कुमार के मुताबिक 47 वर्षीय मान सिंह मूलतः राजगढ़ जिले का रहने वाला था। पिछले कई सालों से वह भोपाल में ईश्वर नगर बस्ती में परिवार के साथ रहता था। वह मेहनत मजदूरी करता था। इसी बस्ती में रहने वाले सुनील और मंगल नाम मजदूरों से उसकी पुरानी रंजिश थी। करीब पंद्रह साल पहले उनके बीच झगड़ा हो गया था तभी से मनमुटाव चलता रहता था।

पहले शराब पिलाई फिर किया हमला: गत 15 अगस्त को मान सिंह नारायण नगर की पटरी के पास से जा रहा था तभी सुनील व मंगल ने रास्ता रोका। दुश्मनी भुलाकर साथ शराब पीने की बात कही। तीनों ने साथ शराब पी। इसके बाद मानसिंह के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करना शुरू कर दी। मान सिंह ने उनका विरोध किया तो दोनों ने उस पर पत्थर से हमला कर दिया था। सिर पर पत्थर से वार करने के बाद दोनों मौके से भाग निकले थे।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

ड्यूटी से घर लौटते समय हुआ हादसा, साथी की हालत नाजुक

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में बाइक सवार दो लोगों को सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल दोनों लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई। दूसरे की हालत नाजुक बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी वाहन चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 56 वर्षीय जियालाल आदमपुर छावनी में रहते थे, और सफाई कार्य करते थे। मंगलवार की दोपहर वे अपने साथी बाबूलाल के साथ बाइक पर सवार होकर ड्यूटी से घर लौट रहे थे। कॉलेज से कुछ ही दूसी पर मंडीदीप तरफ से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो एमपी 13 जेड के 4022 ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां कुछ देर बाद ही जियालाल ने दम तोड़ दिया। जबकि बाबूलाल की हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है। अस्पताल से मिली मौत की खबर पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

दिग्विजय सिंह बोले- सोयाबीन के दाम बढ़ाए सरकार

2011 के बाद से दाम स्थिर, पीएम-सीएम किसानों के हित में लें फैसला

भोपाल (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोयाबीन के भाव 13 साल में नहीं बढ़ने के कारण इसके दाम में वृद्धि की मांग प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से की है। मीडिया को जारी बयान में सिंह ने कहा है कि 2011 के बाद से सोयाबीन के भाव लगभग स्थिर हैं। इसलिए किसानों के हित में सोयाबीन के दाम रू. 6000 प्रति क्विंटल किए जाने चाहिए ताकि देश और एमपी के किसानों को सोयाबीन की फसल का पूरा लाभ मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा है कि देश में लगभग 50 प्रतिशत से अधिक सोयाबीन मध्यप्रदेश में पैदा की जाती है लेकिन सन 2011 से लेकर आज तक लागत दोगनी तिगुनी हो गई, लेकिन सोयाबीन का भाव जस का तस है। 4300 रुपए प्रति क्विंटल 2011 में था और अभी उसी के आस पास है। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की फसल का भाव अंतर्राष्ट्रीय सोयाबीन के उत्पादन पर निर्भर करता है और इस साल जो संभावना है उसके अनुसार अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोयाबीन का भाव इसी प्रकार का रहेगा जो अभी तक 4000, 4300 रुपए प्रति क्विंटल बिकता था, शायद वह भी न मिल सके। सिंह ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से अपील करता हूं कि चूंकि हमारे अधिकांश किसान खरीफ में सोयाबीन की फसल लेते हैं, इसलिए उसके उत्पादन की खरीद सरकार को अवश्य करना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि इसका न्यूनतम भाव आज की लागत को देखते हुए लगभग रू. 6000 क्विंटल से कम नहीं होना चाहिए। यही मध्यप्रदेश के 100त्न किसानों की डिमांड भी है, इस बात पर पीएम और सीएम पूरा ध्यान दें।

जनधन योजना में गरीब भाई-बहनों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर दिया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- **प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनधन योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर दी बधाई**
- **मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों को भी दी शुभकामनाएं**

भोपाल(नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनधन योजना के गौरवशाली 10 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में लिखा है कि आज का दिन देश के लिए ऐतिहासिक है। भारत सरकार की इस कल्याणकारी योजना में समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को बेहतर जीवन और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है। जनधन योजना का ही परिणाम है कि अब बैंकिंग सेवाओं का लाभ ऐसे व्यक्ति भी उठा रहे हैं जिन्होंने कभी इसकी कल्पना भी नहीं की थी। जनधन योजना करोड़ों देशवासियों विशेषकर गरीब भाई-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर देने में सफल रही है।

संपादकीय

यूपी में नई राजनीतिक खिचड़ी !

उत्तर प्रदेश में दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के संदर्भ में नई राजनीतिक खिचड़ी पक रही है। ये खिचड़ी खट्टे-मीठे राजनीतिक रिश्तों वाली बसपा और सपा के बीच पक रही है। हाल में भाजपा हाल ही में मांट (मथुरा) से भाजपा विधायक राजेश चौधरी ने मायावती को यूपी का सबसे अधिक भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। साथ ही कहा कि पहली बार उन्हें सीएम बनाना भाजपा की गलती थी। इस बयान के खिलाफ अखिलेश यादव खुलकर मायावती के साथ खड़े हुए। इसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच आभार और धन्यवाद का नया दौर प्रारंभ हुआ। यानी सपा अध्यक्ष की बसपा के वोट पर नजर है, तो बसपा सुप्रीमो भी पूरे माजरे को अच्छी तरह से भांप रही हैं। कुछ जानकार संबंधों के इस नए दौर के पीछे यूपी के आने वाले चुनाव का गणित भी मान रहे हैं। अखिलेश और मायावती के बीच 'बुआ' का 'भतीजे' का रिश्ता रहा है। ये कभी साथ आए हैं तो कभी एक-दूसरे को कोसते रहे हैं। हालांकि इस नवीनतम सौहार्द्र के राजनीतिक मायने तलाशे जा रहे हैं। हाल में मायावती पर बीजेपी खेमे से हुए हमले के बाद अखिलेश द्वारा बुआ के बचाव के बाद अखिलेश ने लिखा - सच तो ये है कि ये 'आभार' उन लोगों का है जो पिछले दो दिनों से अपने मान-सम्मान की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर अपना सक्रिय विरोध दर्शा रहे हैं। इस विरोध का मूल कारण है, भाजपा के एक विधायक द्वारा शोषित-वंचित समाज की एक सम्मानित पूर्व महिला मुख्यमंत्री का सरेआम किया गया अपमान। हालांकि, मायावती एक ओर अखिलेश यादव का आभार व्यक्त कर रहीं थीं, तो दूसरी ओर दलितों के कोटे में कोटे पर सपा प्रमुख की चुप्पी पर सवाल भी खड़ा कर रही थीं। गौरतलब है कि यूपी में होने जा रहे दस सीटों के उपचुनावों को 2027 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा है। अभी इनमें से पांच सीटें समाजवादी पार्टी, 3 भाजपा और 1 1 क्रमशः रालोद और निषाद पार्टी के पास हैं और यहां से जीते विधायकों के सांसद बन जाने के कारण खाली हुई हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को लगे भारी झटके के बाद बीजेपी के लिए ये सीटें जीतना जीवन मरण का प्रश्न बन गया है। इसके अलावा यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए भी प्रतिष्ठा का प्रश्न है, क्योंकि अगर बीजेपी कम से कम चार सीटें नहीं जीती तो उनकी कुर्सी भी जा सकती है। जहां तक मायावती की बात है तो भीतरी तौर पर उनकी कार्यशैली और रणनीति परोक्ष रूप से भाजपा को फायदा पहुंचाती ज्यादा लगती है। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव में बड़ी संख्या में दलित वोट मायावती की पार्टी से खिसक कर सपा में चला गया। इसलिए सपा और बसपा की दोस्ती होना बहुत मुश्किल है। यही कारण है कि बसपा पहली बार किसी उपचुनाव में भी उतर रही है। क्योंकि यह पार्टी के अस्तित्व का सवाल है। उसमें भी मायावती के लिए भाजपा से ज्यादा बड़ा खतरा बसपा और कांग्रेस हैं। सपा नेतृत्व अच्छी तरह से जानता है कि मायावती को सम्मान देने पर ही यह आधार वोट उन्हें मिल सकता है। बशर्ते बसपा से हमदर्दी रखने वाले मतदाताओं को यह महसूस हो कि उनकी पार्टी का प्रत्याशी जिताऊ स्थिति में नहीं है। यही वजह है कि एक खास रणनीति के तहत अखिलेश यादव, मायावती के समर्थन में पोस्ट कर रहे हैं। उपचुनाव में इसका लिटमस टेस्ट भी हो जाएगा। इस बीच मायावती ने इन अफवाहों का खंडन कर दिया है कि वो राजनीति से संन्यास ले रही हैं। कुल मिलाकर सबकी नजर नई खिचड़ी पर है।

नजरिया

प्रदीप मिश्र

(लेखक जम्मू-कश्मीर में पत्रकार रह चुके हैं।)

जम्मू-कश्मीर : प्रयोग और परिवर्तन के प्रयासों की परीक्षा

पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को समाप्त कर केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब मतदाताओं का मन बताएगा कि 2014 के बाद हुए बदलावों को उन्होंने किस भाव-भावना से महसूस किया है। 2019 के बाद तो वादों-इरादों, दावों-प्रतिदावों की बाढ़ सी आती रही है। कई प्रयोग भी किए गए। परिणामों में इनका परीक्षण होगा। अनुच्छेद 370, पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली के साथ-साथ रोजी-रोजगार और जमीन के बुनियादी अधिकारों पर जम्मू की जनता की जद्दोजहद, कश्मीरियों की कश्मकश और पंडितों के पुनर्वास पर पशोपेश का भी जनादेश में अहम पहलू बनना तय है। 1996 के बाद यहां किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। उस समय नेशनल कांफ्रेंस ने 87 में से 57 सीटें पाई थीं, जो 2002 और 2008 में 28 पर आ गई। 2008 में 11 सीटें पाने वाली भाजपा 2014 में दोगुने से अधिक यानी 25 सीटों तक पहुंच गई। 2014 में अलग-अलग लड़ी पीडीपी ने 28, नेशनल कांफ्रेंस ने 15 और कांग्रेस ने 12 सीटें जीती थीं।

अब जम्मू-कश्मीर में 'एक विधान-एक निशान' के तहत भारत सरकार के नियम-कानून लागू हो रहे हैं। आपातकाल के दौर में शुरू हुई छह साल की राज्य सरकार की परंपरा भी खत्म होने वाली है। 36 सदस्यीय विधान परिषद का अस्तित्व खत्म हो गया है। राज्यसभा की खाली चार सीटें विधानसभा चुनाव के बाद ही भरी जाएंगी। चुनाव बाद केंद्र शासित प्रदेश के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने की संभावना है। अनुच्छेद 370 खत्म करते समय संसद में गृह मंत्री अमित शाह और बाद में श्रीनगर में सार्वजनिक तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी घोषणा कर चुके हैं। 2023 में सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 370 के खात्मे को संविधान सम्मत ठहराने के साथ ही राज्य का दर्जा खत्म करने पर सवाल उठा चुकी है। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर पहला राज्य है, जिसे विभाजित कर केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। वैसे, शेख अब्दुल्ला द्वारा नाराजगी में रियासी जिले को खत्म कर तहसील बनाने का उदाहरण भी यहीं का है। गुलाम नवी आजाद के मुख्यमंत्रित्व काल में पुराना जिला बहाल हो पाया।

दस साल बाद अवाम जो नई सरकार चुनेगा, उसके स्वरूप और ताकत के बारे में वह आश्वस्त नहीं है। राज्य के दर्जे की जल्द वापसी पर उसे संशय हैं। दिल्ली या पुडुचेरी मॉडल उसे समझना होगा। हालांकि छह साल से राज्यपाल और उपराज्यपाल शासन के अधीन होने के कारण अधिकारियों की मनमर्जी को मतदाता समझ गए हैं। इससे पहले इतने लंबे अरसे तक उसे कभी भी अपने नुमाइंदों से दूर नहीं रहना पड़ा है। इस दौरान जनप्रतिनिधियों का विवशता से वास्ता साफ दिखा। फिर भी पुराने और स्थापित दलों और उनके नेताओं को चुनौती देने और अपनी पहचान बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और डेमोक्रेटिक पीपुल्स आजाद

पार्टी जैसे नए दल बने। नए दलों के अलावा सज्जाद लोन की पीपुल्स कांफ्रेंस, बारामुला से लोकसभा सदस्य इंजीनियर रशीद की अगुवाई वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी ही नहीं, 1987 के बाद पहली बार जमात-ए-इस्लामी से जुड़े नेता भी निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

बीते पांच साल में पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके), वेस्ट पाकिस्तानी शरणार्थियों को जमीन-जायदाद का मालिकाना हक दिया गया है। पंचायतों, शहरी स्थानीय निकाय में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण और महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें सुरक्षित की गई हैं। औद्योगिकीकरण के लिए 90 हजार करोड़ से अधिक के प्रस्तावों में से 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। 34 हजार से अधिक सरकारी नौकरी दी गईं। श्रीनगर में विजय दशमी के आयोजन, साढ़े तीन दशक बाद शिया समुदाय का जुलूस, खीर भवानी मंदिर में कश्मीरी पंडितों की पूजा-अर्चना और इसी साल जुलाई तक 12.5 लाख से अधिक पर्यटकों को घाटी आना भी उपलब्धि है। चुनाव की घोषणा से ठीक पहले 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में पाकिस्तान के सीमावर्ती जिले बारामुला में कशूर रिवाज में 10 हजार छात्राओं ने एक साथ कश्मीरी लोक नृत्य प्रस्तुत कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया। यही नहीं, दो दशक के दौरान 2024 में चौथी बार अमरनाथ यात्रियों की संख्या पांच लाख से अधिक रही। रक्षाबंधन पर श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में 50 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे और हरि पर्वत घंटे-घड़ियाल से गूंज गया।

एक बार पीडीपी के साथ गठबंधन सरकार बना और गिरा चुकी भाजपा को ऐसे आयोजनों के अलावा राष्ट्रवाद, अनुसूचित जनजातियों के लिए पहली बार आरक्षित की गई नौ सीटों, अनुसूचित जाति की सात सीटों और आठ लाख से अधिक नए मतदाताओं का सहारा है। वह जम्मू संभाग की 43 सीटों पर चुनाव केंद्रित कर कश्मीर घाटी में 8-10 सीटों पर निर्दलीयों को समर्थन देगी, लेकिन पहले चरण की 24 सीटों पर उसने जम्मू संभाग की चिनाब घाटी (डोडा, किश्तवाड़ और रामबन) पीरपंजाल (राजोरी-पुंछ) में भी मुस्लिम उम्मीदवार उतार कर इरादे जता दिए हैं। बाद के दो चरणों की सूची में दोनों पूर्व उपमुख्यमंत्रियों डॉ. निर्मल सिंह और कवींद्र गुप्ता का नाम नहीं होना बताता है कि पुराने और लोकप्रिय चेहरों को किनारे कर आयातित नेताओं के सहारे पार्टी दंभ दिखा रही है। यह हाल तब है, जब लोकसभा चुनाव में उसके साथ रही पूर्व मंत्री अल्ताफ अंसारी की अपनी पार्टी और गुलाम नवी आजाद की डीपीएपी बाद में राजनीतिक सौदेबाजी के लिए छिटक गई हैं।

दूसरी तरफ राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ 'इंडिया' गठबंधन में प्रमुखता और प्रखरता से शामिल नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी में चुनाव पूर्व तालमेल नहीं हुआ है। फिर भी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं के मिजाज के आधार पर हुए गठबंधन में नेशनल कांफ्रेंस ने 51 सीटें अपने लिए ले लीं। कश्मीर के लोगों को अनुच्छेद 370 की याद दिलाई जा रही है। घोषणापत्र में इस अनुच्छेद के साथ-साथ राज्य के दर्जे की बहाली और 2000 से पूर्व विधानसभा द्वारा पारित वृहत्तर स्वायत्तता का प्रस्ताव भी है। पीडीपी का घोषणापत्र भी कश्मीर केंद्रित है। वह भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत और विश्वास बहाली की पैरोकार है। अपनी बेटी इल्तिजा मुफ्ती की चुनावी रण में उतारने वाली पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की गठबंधन न होने पर सधी प्रतिक्रिया से जाहिर है कि नतीजों के बाद बनने वह गठबंधन सरकार का समर्थन करेंगी।

विश्व राजनीति

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

कितना सफल होगा नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा?

यूक्रेन और रूस के बीच का संघर्ष 2014 में क्रीमिया के रूस द्वारा अधिग्रहण से शुरू हुआ और 2022 में पूर्ण युद्ध में बदल गया। इस युद्ध ने न केवल इन दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ाया है, बल्कि वैश्विक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव डाला है। इस बीच, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में सामने आया है। इस दौरे के कई उद्देश्य हैं, जिनमें से प्रमुख है युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता की संभावना तलाशना और शांति स्थापना के लिए बातचीत को बढ़ावा देना। 1992 में राजनयिक रिश्तों की स्थापना के बाद ये किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला यूक्रेन दौरा है। पीएम मोदी का यूक्रेन दौरा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मॉस्को में उनकी मुलाकात के छह हफ्ते बाद हो रहा है जिसकी यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने खूब आलोचना की थी।

दौरे का क्या है उद्देश्य?

पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और विनाशकारी युद्ध क्षेत्र में शांति की वकालत करना है। व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा और रक्षा सहयोग में यूक्रेन के साथ हमारे अच्छे रिश्ते हैं। 30 सालों पहले जब सोवियत संघ के विघटन के बाद यूक्रेन एक नया देश बना और हमने उससे कूटनीतिक संबंध स्थापित किया, तब से ही यूक्रेन के साथ हमारे अच्छे रिश्ते हैं। इस यात्रा से संबंध और बेहतर होने की संभावना है।भारत यूक्रेन को और अधिक मानवीय मदद मुहैया कराएगा और यूक्रेन भी युद्ध के बाद निर्माण कार्य के लिए भारतीय कंपनियों को तवज्जो देगा। भारत ने हमेशा गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन किया है और यूक्रेन तथा रूस दोनों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे हैं। मोदी का यह दौरा इसी नीति के तहत शांति स्थापना में एक मध्यस्थ की भूमिका निभाने के उद्देश्य से किया गया है। इस दौरे के माध्यम से भारत ने यह संकेत दिया है कि वह एक वैश्विक नेता के रूप में उभरने के लिए तैयार है जो न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित कर सकता है। युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों में मानवीय सहायता पहुंचाने और यूक्रेन के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव भी इस दौरे का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य था।

यात्रा के दौरान हुई वार्ता

नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान युद्ध विराम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युद्ध से किसी का भी लाभ नहीं होता है और शांति स्थापना ही एकमात्र रास्ता है। मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच सीधे संवाद की आवश्यकता पर बल दिया और इसे संघर्ष को समाप्त करने का सबसे प्रभावी तरीका बताया। मोदी और ज़ेलेंस्की ने क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के सम्मान सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए आगे सहयोग पर सहमति व्यक्त की। मोदी ने बातचीत और कूटनीति की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समाधान का रास्ता केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही खोजा जा सकता है।

यूक्रेन में चल रहे युद्ध के कारण लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं और मानवीय संकट गहराता जा रहा है। मोदी ने यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया और युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में सहायता भेजने की प्रतिबद्धता जताई। मोदी ने यूक्रेन को चार भीष्म क्यूब्स भेंट किए, जिनमें आपातकालीन उपचार और सर्जरी के लिए चिकित्सा उपकरण और आपूर्ति शामिल हैं। जेलेंस्की ने क्यूब्स की मानवीय सहायता के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया, जिससे घायलों के उपचार में तेजी आएगी और बहुमूल्य जीवन बचाने में मदद मिलेगी। प्रत्येक भीष्म क्यूब में सभी प्रकार की चोटों और चिकित्सा स्थितियों के लिए प्राथमिक देखभाल से जुड़ी दवाइयां और उपकरण शामिल हैं। साथ ही चिकित्सा सहयोग, कृषि सहयोग, मानवीय सहायता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से संबंधित चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत और यूक्रेन के बीच ऊर्जा, कृषि और प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। मोदी ने कहा कि भारत और यूक्रेन के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की संभावनाएं हैं। भारत ने यूक्रेन के साथ इंडिया के तेल सौदे पर उनकी चिंताओं का जवाब दिया है। विदेश मंत्री के मुताबिक भारत ने यूक्रेन को मौजूदा तेल बाजार की स्थिति, भारत पर पड़ने वाले इसके असर, रूस से तेल खरीदने की भारत की रणनीतिक जरूरत और वर्ल्ड इकोनॉमी पर इसके असर को समझाया है।

इस दौरे के संभावित परिणाम

यदि भारत अपने कूटनीतिक प्रयासों में सफल होता है, तो यह दौरा शांति प्रक्रिया में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हो सकता है। इससे दोनों देशों के बीच तनाव कम होने और बातचीत की एक नई राह खुलने की संभावना है। इस दौरे से भारत की वैश्विक स्थिति मजबूत होगी और यह एक जिम्मेदार वैश्विक नेता के रूप में उभरेगा। भारत ने हमेशा शांति और संवाद का समर्थन किया है और यह दौरा उस नीति का प्रतीक है।यदि भारत रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता करने में सफल होता है, तो यह दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दौरे के बाद, भारत और यूक्रेन के बीच मानवीय सहायता और आर्थिक सहयोग में वृद्धि हो सकती है, जिससे दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे।

क्या रूस यूक्रेन-युद्ध को समाप्त करने में सफल होगा भारत?

नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा वैश्विक मंच पर एक साहसिक कदम है, लेकिन युद्ध को समाप्त करना केवल कूटनीतिक प्रयासों से संभव नहीं है। यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें कई आंतरिक और बाहरी कारक शामिल हैं। हालांकि, मोदी का प्रयास इस संघर्ष में एक सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकता है। उनकी मध्यस्थता की पेशकश और युद्ध विराम की अपील से दोनों पक्षों के बीच विश्वास का माहौल बन सकता है। यदि भारत इस दिशा में आगे बढ़ता है और रूस तथा यूक्रेन के बीच संवाद की प्रक्रिया को सुचारू करने में सफल होता है, तो यह एक बड़ी कूटनीतिक सफलता होगी। यह कहना मुश्किल है कि नरेंद्र मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने में सफल होंगे या नहीं। यह युद्ध कई वर्षों से चला आ रहा है और इसमें कई जटिल मुद्दे शामिल हैं। हालांकि, मोदी के प्रयासों से यह संभव है कि दोनों पक्षों के बीच विश्वास बहाली हो और वे बातचीत की मेज पर आएं। भारत ने हमेशा शांति और संवाद का समर्थन किया है और इस दौरे के माध्यम से उसने इस नीति को और भी स्पष्ट रूप से सामने रखा है। यदि भारत रूस और यूक्रेन के बीच एक संवाद स्थापित करने में सफल होता है, तो यह शांति की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की तटस्थ नीति और दोनों ही देशों के साथ अच्छे संबंधों को देखते हुए कई बार यह कहा गया कि भारत दोनों पक्षों को बातचीत की टेबल पर लाने का काम कर सकता है। हालांकि, युद्ध में अभी जो हालात हैं, उसे देखते हुए यह कह पाना बेहद मुश्किल है कि दोनों पक्ष बातचीत के लिए राजी होंगे। यूक्रेन के सैनिकों ने रूस के कुर्स्क इलाके में घुसपैठ कर ली है।नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक प्रयास है जो वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है। हालांकि, युद्ध को समाप्त करना और शांति की स्थापना करना एक लंबी प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन मोदी का यह दौरा एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। यह दौरा इस बात का प्रमाण है कि भारत न केवल अपने क्षेत्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, बल्कि वैश्विक मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।आगे का रास्ता मुश्किल हो सकता है, लेकिन अगर भारत अपने कूटनीतिक प्रयासों में सफल होता है, तो यह दौरा वैश्विक शांति और सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। हालांकि, यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत, रूस, और यूक्रेन किस हद तक अपने मतभेदों को दूर कर एक साझा समाधान की दिशा में आगे बढ़ते हैं।

असफलता के भी कारण खोजिए

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

मनुष्य की सफल होने के कई कारण हो सकते है। लेकिन हमें असफलता के भी कारण ढूंढने चाहिए। क्यों असफलता के बारे में बात करने से हम कतराते है? क्यों हमें किसी सफल इंसान की ही नसीहत दी जाती है? क्या सफल होने वाला कभी असफल नहीं हो सकता या उसने कभी असफलता देखी नहीं होगी? यह कुछ ऐसे प्रश्न है जो हमें पूछने चाहिए और अपने भीतर भी इसका जवाब ढूंढना चाहिए। यहाँ यह नहीं कहना चाहती कि असफल लोगों के बारे में जाने या उनके जैसा सोचे। यहाँ मैं यह कहना चाहती हूँ कि किसी भी व्यवसाय या नौकरी और किसी भी फील्ड को चुनने से पहले उसके सफल एवमं असफल लोगों के बारे में जाने।

सफलता को पाने के रास्ते में उन्होंने कितना संघर्ष किया है उसके बारे में जाने और साथ ही उसी क्षेत्र के असफल लोगों के बारे में भी जाने की आखिर संघर्ष के बाद भी उनसे कहां गलती हुई है की वह अपने क्षेत्र में वह मुकाम नहीं पा सके जिसके वह अधिकारी थे। समय- सीमा में बाँध कर हम किसी भी क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सकते। हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आज के युग की क्या मांग है? हम अपनी सोच में बंधे रहकर किसी की भी विचार को स्वीकार नहीं कर सकते,क्योंकी हर मनुष्य की तरह हमें भी इस बात की गलतफहमी रहती है कि हम हर बात में सही है। इसी एक गलतफहमी के कारण ना तो हम किसी की सलाह लेते है और ना ही अपने ऊपर होने वाली अलोचना को सकारात्मक रूप से स्वीकार कर पाते है। हमें अगर अपने क्षेत्र के किसी व्यक्ति से अलोचना मिलती है तो मानवीय स्वभाविक रूप से हम इसे दूसरों की इर्ष्या समझ लेते है। हम स्वीकार ही नहीं कर पाते की हम भी गलत हो सकते है। हमारा मानवीय स्वभाव हमारे भीतर की जिज्ञासा को शांत करने में ही लगा रहता है। इसकी भरपाई हमें कई बार असफल होने पर चुकानी पडती है । क्योंकि ऐसा हर बार नहीं होता कि आपके आस-पास के लोगों के भीतर आपके प्रति नकारात्मक भाव ही हो। बस कई बार आपकी मेहनत को देखते हुए भी आपको सलाह दी जा सकती है जिससे की आपका निखार हो पाए।

लेकिन यह तभी सम्भव है जब हम अपने काम के प्रति झुझारू रूप से लगे रहे और इस बात की सम्भावना को भी स्वीकार करे कि हम भी गलत हो सकते है। इसी भावना के साथ हमारे भीतर अपनी गलती को स्वीकार करने के साथ-साथ उसमें सुधार की भी गुंजाइश रहती है। हमारी नकारात्मक सोच हमारे भीतर डर को भी बढाती है।

आलोचना से डरने वाला व्यक्ति नये कार्य को करने से हमेशा संकोच करता है। क्योंकि हमारे भीतर दुविधा की भावना को बनाए रखता है जो की सफलता के रास्ते में अबसे बड़ी अडचन है। हमारे भीतर की दुविधा हमें कभी भी ही अपना पक्ष मजबूती से रखने नहीं देती , क्योंकि दुविधा हमेशा संकोच का हाथ पकड़े खडी रहती है। और संकोच हमें स्वीकार ही नहीं करने देता कि सामने वाला भी हमारी बात को सही मान सकता है या हमारी बात भी सही हो सकती है।

हमें अपने कार्यक्षेत्र हो या घर हो अपनी आलोचना को स्वीकार करते हुए उसमें सुधार कैसे लाया जाए इस पर जरूर विचार करना चाहिए। हम कभी गलत नहीं हो सकते या फिर हर बात का जवाब देने से हम स्वयं को ही तरक्की करने से रोक लेते है। यहाँ इस बात का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हर बार सामने वाला सही नहीं हो सकता पर या कई बार कुछ लोगों का स्वभाव भी होता है कि वह हर बात में अपनी सलाह देते है या सामने वाले के काम में कमी निकालते है। ऐसे में चुप रहकर अपने काम को करें।

किसी की सलाह मानना या ना मानना यह आप पर निर्भर करता है,लेकिन नकारातमक सोच को अपने ऊपर हावी ना होने देना भी एक कला है। इसलिए जितना हो सकें अपने कार्य के प्रति जागरूक रहते हुए। नई-नई सम्भावनाओं को तलाशे एवं स्वयं को तराशते रहे। अपनी कमियों को स्वीकारे और उसपर सकारात्मक काम करते हुए दूसरों के सामने मिसाल बनें।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुकेश राठौर

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सबकी आंखें गिरवी हैं इस नगरी में

वैसे तो दुनिया की सारी बेटियां एक सी होती है। क्या भोपाली और क्या नेपाली? क्या अफ्रीकन और क्या अमेरिकन? नाक-नक्श,रंग-रूप और कद-काठी को छोड़ दिया जाए तो सभी के सारे अंग-उपांग लगभग एक जैसे होते हैं। फिर क्यों लोगों को अपनी और पराई बेटी में जमीन-आसमान का अंतर जान पड़ता है। अपनी आसमां होती बेटी भी अपने लिए जमीन सी होती है,होना भी चाहिए,अफ़सोस दूसरों की जमीन सी बिटिया भी न जाने क्यों आसमां लगने लगती है। ये कैसी सोच? ये कैसा दृष्टि वैषम्य? दृष्टि का दोष कहे कि दोगलाई जो दबंग की जवान बेटी को देख दाएं-बाएं घूम जाती है और दबे की बेटी को देख घूरने लगती है।

दिनों-दिन धार्मिक होते देश में आरंभ से ही कन्या पूजन की संस्कृति रही है। क्या आम आदमी और क्या ही सरकार मौके-बेमौके बेटियों के पग पखारते दिखाई पड़ते हैं। किसी को इन पगों में सुख-समृद्धि तो किसी को सत्तासुख नजर आता है। मान्यता है कि कन्या देवी का अवतार होती है। कन्या के किशोरी और फिर युवती होते ही क्यों नहीं दिखाई देता उसका देवत्व? क्यों नहीं पखारे जाते उसके पग? क्यों नहीं करवाया जाता उसे भोज? इसलिए कि वह बड़ी हो जाती है। जब बड़ी हो ही गई तो फिर क्यों बार-बार गली, चौराहे, बाजार से गुजरते छोटी सोच का शिकार होती है? कायदे से तो उसके बढ़ने के साथ चरणबद्ध देवत्व बढ़ने की सामाजिक मान्यता

बढ़ती जानी चाहिए थी, मगर ऐसा कहां होता है भाई साहब? वय के साथ बेटियों का देवत्व बढ़े न बढ़े,हमारी मानवता,दानवता बनते देर नहीं करती। बकौल शायर शकील जमाली,अभी रौशन हुआ जाता है रस्ता/वो देखो एक औरत आ रही है।

मनुस्मृति में कहा गया है,'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमन्ते तत्र देवताः' माने जहां नारियों की पूजा होती है,वहां देवता वास करते हैं। हाल तो यह है कि पूजा करने आए तथाकथित भक्तानंदों को देवताओं को पूजती नारी पहले दिखाई देती है,देवता बाद में। 'आए थे हरि भजन को' वाली स्थिति। कई बार तो देवता से पहले ध्यानस्थ नारी पर नजरें ऐसे ठहर जाती है,गोया सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी आ गई हों। वही पृथ्वी जो दुनिया की पालनहार है। ब्रह्मांड का सबसे सुंदर ग्रह।औरत न हुई,देखने की चीज हो गई। सोशल मीडिया में सानिया,सनी और सपना का एक फोटू डलते ही लाइक-कॉमेंट्स की बाढ़ सी आ जाती है। पता नहीं ये फॉलोअर्स की उनके खेल,कला,नृत्य के प्रति दीवानगी है या और कुछ...! हमीदा शाहीन का शेर याद आता है,÷कौन बदन से आगे देखें औरत को,सबकी आंखें गिरवी है इस नगरी में।'

किसी बहन का भाई मोहल्ले का दादा हो तो लोग उसकी ओर नजर उठाकर नहीं देखते। आज बहनों के भाई यहां-वहां मुख्यमंत्री है। उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखा जा रहा है। स्टार्ट अप,सेल्फ हेल्प और हेल्प लाइन नंबर भी...मगर मुसीबत के समय क्यों हेल्प लाइन का नंबर स्वीच ऑफ हो जाता है? बहन द्रौपदी के चीरहरण के समय क्यों नहीं पहुंच पाते दो-दो हाथों में राखी बंधवाने वाले वासुदेव? क्यों महिला उत्पीडन की घटनाएं बढ़ती ही चली जा रही है? पूछती है बहनें जब सरकार आत्मनिर्भर बनाने हेतु एक हाथ सिलाई मशीन दे सकती है तो आत्मरक्षा हेतु दूसरे हाथ पापी पेंटों की सिलाई उधेड़ने वाला त्रिशूल क्यों नहीं?

दृष्टिकोण

डॉ. सन्तोष पटेल

भोजपुरी आंदोलन और अमरनाथी विलाप

'भाषाई संकट का सवाल' उन्होंने कतिपय कुछ संभावनाएं व्यक्त की हैं। सम्भावनाएं ऐसी बचकाना है कि क्या कहा जाए। परन्तु कहना तो पड़ता ही है जब आलेख का लब्बोलुआब भोजपुरी के सांविधानिक मान्यता के विरोध में हो। उनके हिसाब से जब हिंदी की सभी बोलियाँ संवैधानिक अनुसूची में दर्ज होने का मर्ज पाल लेंगी तो क्या हिंदी अपने आप विलुप्त नहीं हो जाएगी? संवैधानिक मांग करना एक मर्ज है?ऐसी सोच एक भाषा प्रेमी की हो सकती है क्या जब उसे भलीभांति पता है कि भारत में भाषाएं संवैधानिक मान्यता पाने के बाद ही मजबूत हो सकती हैं वर्ना उनके प्रचार, प्रसार या विस्तार जमीन सिकुड़ ही रही है जैसा कि पूरी दुनिया में कुछ भाषाओं ने अपने वर्चस्व में छोटी छोटी भाषाओं को अपना ग्राह बना लिया।

सहयोग की तरह ही संघर्ष भी सामजिक जीवन का अभिन्न अंग है। समाज में जैसे सहयोग अनिवार्य है, वैसे ही जहाँ बहुत लोग होंगे, वहां हितों, विचारधाराओं में विरोधाभास भी स्वाभाविक है। यह कहावत भी है कि -जहां चार बर्तन होंगे , वहां खड़केंगे ही।

महान समाजशास्त्री गिलिन एंड गिलिन के अनुसार -संघर्ष एक सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति या समूह अपने उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु विरोधी के विरुद्ध सीधी हिंसा या हिंसा की धमकी का प्रयोग करता है। संघर्ष व्यक्तिगत, दलगत, वर्ग, जाति, प्रजाति आ अंर्तराष्ट्रीय होता है।

भोजपुरी आंदोलन में संघर्ष का मूल स्वरूप जाति-संघर्ष है। हिंदी के कौन से लोग भोजपुरी का विरोध करते हैं ? किसी से छिपा नहीं है। तकरीबन 2004 से इसे मैं बड़ी ही बारीकी से देख समझ रहा हूँ।

वही स्थिति भोजपुरी के अंदर भी है यहां तीन तरह के संघर्ष हैं पहला व्यक्तिगत संघर्ष, दलगत संघर्ष और जातीय संघर्ष। पहले इस संघर्ष से निकला जाए तब तो आंदोलन को गति मिले। बहरहाल यह एक चेतन प्रक्रिया है।

लाखा राम चौधरी ने जनसत्ता के 10 जून 2018 के अंक में एक आलेख लिखा है-

'भाषाई संकट का सवाल' उन्होंने कतिपय कुछ संभावनाएं व्यक्त की हैं। सम्भावनाएं ऐसी बचकाना है कि क्या कहा जाए। परन्तु कहना तो पड़ता ही है जब आलेख का लब्बोलुआब भोजपुरी के सांविधानिक मान्यता के विरोध में हो। उनके हिसाब से जब हिंदी की सभी बोलियाँ संवैधानिक अनुसूची में दर्ज होने का मर्ज पाल लेंगी तो क्या हिंदी अपने आप विलुप्त नहीं हो जाएगी? संवैधानिक मांग करना एक मर्ज है? ऐसी सोच एक भाषा प्रेमी की हो सकती है क्या जब उसे भलीभांति पता है कि भारत में भाषाएं संवैधानिक मान्यता पाने के बाद ही मजबूत हो सकती हैं वर्ना उनके प्रचार, प्रसार या विस्तार जमीन सिकुड़ ही रही है जैसा कि पूरी दुनिया में कुछ भाषाओं ने अपने वर्चस्व में छोटी छोटी भाषाओं को अपना ग्राह बना लिया।

इनको ना जाने कैसे यह पता है कि सरकार के सामने दिक्कत है कि पहले बाईस भाषाओं में कामकाज करना बेहद महंगा है और मुश्किल है? कोई डाटा हो तो सामने रखते। सरकार की वकालत कर रहे हैं या भाषाई वर्चस्ववाद को संपोषित कर रहे हैं? इन्हें अंग्रेजी के बने रहने से क्यों दिक्कत नहीं है पर दूसरी भारतीय भाषाएं मार जाएं इनको कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे लाखा राम जी की बातें समझ से परे लगी जब मैथिली और नेपाली को 8 वीं अनुसूची में भाषा के तौर पर मान्यता मिल गयी है फिर भी उसे हिंदी की बोली क्यों कह रहे हैं जबकि दोनों अंतरराष्ट्रीय महत्व की भाषाएं हैं। यह हिंदी का साम्राज्यवाद नहीं तो क्या है?

फिर चौधरी साहब को भूमंडलीकरण की आंधी में बोलियों के मर जाने की संभावना भी दिखती है, फिर भी संवैधानिक मान्यता के विरुद्ध हैं और स्पष्ट भी करते हैं कि यह व्यावहारिक सत्य है कि जिस भाषा को सरकारी संरक्षण प्राप्त हुआ है वह समाप्ति की ओर अग्रसरित मानी जाती है।

भूमण्डलीकरण के दौर में भोजपुरी ने अपने को मजबूत किया है। जैसा कि शिकागो विवि में हुए अध्ययन के बाद विटनी कॉक्स ने सिद्ध किया है। मुझे उनका यह भी तर्क नहीं समझ में आया कि भाषाई संकट के लिए तकनीकी विकास के साथ कंप्यूटर, इंटरनेट, ई-मेल, वेबसाइट आदि संचार माध्यम कैसे जिम्मेवार हैं? जहां तक मुझे पता है आधुनिक संचार माध्यमों ने हिंदी को मजबूती दी है।

चौधरी साहब यह भी संभावना व्यक्त कर रहे हैं कि हो सके भोजपुरी और राजस्थानी भी संवैधानिक मान्यता की मांग करे? पता नहीं महराज किस टापू पर हैं कि उन्हें पता नहीं है कि दोनों भाषाएँ यथा, भोजपुरी और राजस्थानी की संवैधानिक माँग जोरो पर है और निकट भविष्य में उन्हें सरकार मान्यता देगी।

सबके दुःख रोने के बाद उन्होंने संस्कृति जैसे सुरक्षित है शताब्दियों से वैसे ही हमारी भाषाएं सुरक्षित है? फिर संकट काहे का? निष्कर्ष यह है कि संसद के सत्र शुरू होने से पहले ही भोजपुरी के संवैधानिक मान्यता के विरोध की जमीन तैयार करने के लिए अमरनाथी विलाप शुरू हो जाता है।

संस्कृति

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जयंती के बहाने फिराक गोरखपुरी में बसी थी भारत की सांझी संस्कृति

'शायर-ए-जमाल'-सौन्दर्य का कवि कहलाने वाले फिराक गोरखपुरी उर्दू शायरी का देश एवं दुनिया का एक फनकार हैं जिसका रचना-संसार जीते-जी ही नहीं, मरकर भी गूंज रहा है। गोरखपुर को जिन वजहों से दुनिया भर में पहचान मिली, फिराक गोरखपुरी को हमें उनमें आगे की पंक्ति में रखना ही होगा। नाम के आगे गोरखपुरी लगाकर उन्होंने उर्दू अदब की दुनिया में गोरखपुर को जो ऊंचाई दी, गोरखपुर ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वांचल के लोग इसके लिए गौरव का अनुभव करते हैं। शायरी कहने के अपने अलमस्त और बेलौस अंदाज को लेकर वह शायरों में ही नहीं, आमजन के बीच भी हमेशा चर्चा का विषय रहे। रघुपति सहाय से फिराक गोरखपुरी बने, वे भारत के एक प्रसिद्ध उर्दू शायर, कवि, लेखक और आलोचक थे। उनकी साहित्यिक प्रतिभा कविता, गजल और निबंध सहित विभिन्न शैलियों में फैली हुई है। प्रगतिशील लेखक आंदोलन के एक प्रमुख व्यक्तित्व, गोरखपुरी की रचनाओं में मानवीय भावनाओं और सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ झलकती है। उनकी काव्यात्मक अभिव्यक्ति ने शास्त्रीय लालित्य को आधुनिक संवेदनाओं के साथ जोड़ा, जिन्होंने शायरी को लोक बोलियों से जोड़कर उसमें नई लोच, नई रंगत, नई ऊर्जा उत्पन्न की। उन्हें फारसी, हिन्दी, ब्रजभाषा और भारतीय संस्कृति की गहरी समझ थी, इन्हीं कारणों से उनकी शायरी में भारत की विविधताओं युक्त सांझी रची-बसी हुई है। वे जन-कवि और सौन्दर्य के परम उपासक के रूप में असंख्य लोगों के दिल और दिमाग में रचे-बसे हैं।

फिराक गोरखपुरी का जन्म 28 अगस्त 1896 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुआ। वे एक अमीर परिवार से संबंधित थे। उनके पिता का नाम मुंशी गोरख प्रसाद था, वे पेशे से वकील थे, किन्तु शायरी में उनका बहुत नाम था। इसी कारण फिराक को शायरी की प्रेरणा पिता से भी मिली। बचपन के चमकते-दमकते वैभव के बावजूद उनकी नजरें हमेशा जमीन की ओर देखती रही। उनकी जिन्दगी और रचनाओं का सफर न केवल रोचक रहा, बल्कि प्रेरणा का स्रोत भी रहा। उर्दू कविता के प्रति उनके मन मे छोटी आयु में ही रुझान था। बाल्यावस्था में ही उन्होंने उर्दू में कविताएं लिखना आरंभ कर दी। वे साहिर, इकबाल, फैज, तथा कैफी आजमी से अत्यधिक प्रभावित हुए। रामकृष्ण परमहंस की कहानियों से आरंभ करने के बाद उन्होंने अरबी, फारसी और अंग्रेजी में शिक्षा ग्रहण की। पढ़ाई में वे बड़े ही योग्य एवं होनहार विद्यार्थी थे। सन् 1917 में डिप्टी कलेक्टर के पद के लिए चुने गए परंतु महात्मा गांधी के स्वराज्य आंदोलन में भाग लेने के लिए उन्होंने 1918 में पद से त्यागपत्र दे दिया। 1920 में स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने के कारण उनको डेढ़ वर्ष की जेल की यात्रा सहन करनी पड़ी। वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्राध्यापक भी रहे। उनका कहना था कि उर्दू केवल मुसलमानों की भाषा नहीं है बल्कि आम भारतवासियों की भाषा है। पंडित जवाहरलाल नेहरू उनकी इस सोच से अत्यधिक प्रभावित हुए, उन्होंने फिराक को राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया। नेहरू ने फिराक को जेल से छूटने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस के कार्यालय में अन्डर सेक्रेटरी बना दिया। लगभग 50 वर्षों तक वे सांप्रदायिक सद्भाव एवं सौहार्द के लिए काम करते रहे। फिराक की कविता में कुछ स्थानों पर रूमानियत देखी जा सकती है उन्होंने वियोग, श्रृंगार के सुंदर चित्र अंकित किए हैं।

अपनी हाजिर जवाबी की वजह से फिराक काफी मशहूर थे। उनका बातचीत का लहजा इतना चुटीला होता था कि एक बार कोई उनके पास बैठ जाए तो उठता नहीं था। वह जो भी बोलते थे, बेधड़क बोलते थे और अंदाज ऐसा कि महफिल ठहाकों में भर उठती थी। वे जिन्दादिल इंसान थे तो चित्रता में मित्रता के प्रतीक थे। समस्याओं के आर-पार जाने की क्षमता, वास्तविकताओं पर पड़े आवरणों को तोड़ देने की ताकत, मनुष्य की चिन्ता, सौन्दर्य की अभिव्यक्ति उनकी शायरी एवं सृजन में भी दिखाई पड़ती है। इतिहास और वर्तमान-दोनों जगह वह उत्पीड़न के खिलाफ थे और उसकी अभिव्यक्ति में पूरी तरह भयमुक्त थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता की गहराई से जुड़े थे और उस पर वह अटल भी रहते थे किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाती। वह हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है। यह उनके व्यक्तित्व की बड़ी उपलब्धि है। स्वभाव में एक औलियापन है, फक्कड़पन है और अलमस्त अंदाज है। किसी को उनका व्यक्तित्व भाया तो किसी को वह बिल्कुल पसंद नहीं आए लेकिन उनके शेरों की कद्र हर किसी ने पूरी तबीयत से की। उनका लोहा तब भी जग ने माना और आज भी मान रहा है। वे सदियों तक इसी तरह अपनी शायरी के कारण जीवंत बने रहेंगे।

उनकी जिंदगी का ज्यादातर हिस्सा इलहाबाद बीता। और यहीं से वे शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचे। इलाहाबाद में फिराक, महादेवी वर्मा और निराला को मिलाकर उस दौर के साहित्य की दुनिया की त्रिवेणी बनती थी। उनकी अनौपचारिक संगोष्ठियों में अंग्रेजी के विद्वानों के साथ-साथ तुलसी, कालिदास और मीर के पाठ भी समानांतर चलते थे। गहरी-गहरी और गोल-गोल डस लेने वाली आंखों में उनके व्यक्तित्व का फक्कड़पन खूब जाहिर होता था। फिराक के पिता भी अच्छे शायर थे, इसलिए उनके आवास लक्ष्मी निवास पर साहित्यकारों की खूब महफिल सजती थी। महफिल सजाने वालों में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द भी शामिल थे। कई बार प्रेमचंद वहां रुक भी जाते थे, जब फिराक की पत्नी को उनके लिए परहेजी खाना बनाना पड़ता था। इस दौरान फिराक का प्रेमचंद से एक खास रिश्ता बन गया था। फिराक की बेटी प्रेमा देवी ने अपने एक संस्मरण में लिखा है कि लक्ष्मी निवास पर पंडित नेहरू भी कई बार आए थे क्योंकि नेहरू के वे काफी नजदीक थे।

फिराक भरी-पूरी संभावनाओं का नाम रहा है, जहां साहित्य की अनेक सरिताएं प्रवहमान रही हैं। फिराक तबीयत से भले ही हर किसी को बागी नजर आए लेकिन उनकी शायरी सहज थी। उनके शेरों में संवेदनाएं, नेकदिली और जिंदादिली का अहसास कोई भी कर सकता है। उर्दू गजल के पारंपरिक अंदाज में बिना किसी छेड़छाड़ के नए लहजे की शायरी की जो अद्भुत मिसाल उन्होंने पेश की, उससे शायरी के कद्रदानों के अलावा मशहूर शायर भी उनके कायल हो गए। निदा फाजली जैसे शायर ने तो शायरी की दुनिया में गालिब और मीर के बाद फिराक को तीसरे पायदान पर रखा है। सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में उन्होंने अपनी शायरी को ऊंचाई दी। पद्मश्री अली सरदार जाफरी ने फिराक को उर्दू शायरी की नई आवाज करार दिया। जोश मलीहाबादी ने कहा कि फिराक उर्दू के उस्ताद शायरों में एक बड़े नामवर गोशे के मालिक हैं। साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विश्वनाथ तिवारी ने फक्कड़, मूडी, गुस्सैल आदि अनेक परिचय के धनी फिराक को शायरी के दुनिया का बेताज बादशाह कहा है। यही कारण है कि मिर्जा गालिब और अमीर खुसरो की तरह ही फिराक गोरखपुरी के जीवन पर भी कई फिल्में बन चुकी हैं। एक फिर फिल्म गवर्नमेंट आफ इंडिया के फिल्म डिविजन ने भी बनाई है। फिराक के जीवन पर कई किताबें भी लिखी गई हैं। उनकी स्वयं की अनेक पुस्तक हैं, जिनमें प्रमुख हैं- गुल-ए-नगमा, बज्म-ए-जिंदगी, रंगे शायरी, मशअल, रूह-ए-कायनात, नग्मा-ए-साज, गजलिस्तान, शेरिस्तान, शबनमिस्तान, रूप, धरती की करवट, गुलबाग, रम्ज व कायनात, चिरागा, शोअला व साज, हजार दास्तान, हिंडोला, जुगनू, नकूश, आधी रात, परछाइया और तारानाए-इश्क, सत्यम शिवम सुंदरम। इसके अलावा फिराक ने एक उपन्यास 'साधु और कुटिया' तथा कई कहानियां भी लिखीं हैं। वे अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हुए हैं- 1960 में साहित्य अकादमी अवार्ड, 1968 में साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में पद्मभूषण सम्मान, 1969 में गुल-ए-नगमा के लिए ज्ञानपीठ अवार्ड एवं 1969 में सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार। वे ऐसे लेखक एवं शायर हैं, जिनके जीवन की चादर पर सकारात्मकता, संवेदना एवं प्रेम के रंग बिखरे हुए है। फिराक दार्शनिक कवि-शायर हैं तो सनातन सत्य एवं जीवनमूल्यों को सहजता से उद्घाटित करने वाले जादूगर भी है। वे उर्दू नक्षत्र का ऐसा जगमगाता सितारा हैं, जिसकी रोशनी शायरी को सराबोर करती रहेगी, इस अलमस्त शायर की शायरी की गूंज हमारे दिल और दिमाग में हमेशा जिन्दा रहेगी। उन्हीं के शब्दों में कहें तो-

ऐ मौत आके खामोश कर गई तू,
सदियों दिलों के अन्दर हम गूंजते रहेंगे।

मुद्दा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

दो अरब लोगों को पोष्टिक आहार की दरकार

यह कोई पहला अवसर नहीं है जब इस तरह की रिपोर्ट जारी हो रही हो, बल्कि आईएफपीआरआई का यह सालाना कार्यक्रम है और पतिवर्ष इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हालात में सुधार हो रहा है पर जिस तरह का सुधार होना चाहिए था वह हो नहीं हो पा रहा है। यह किसी एक देश की समस्या हो ऐसा भी नहीं है, कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांष देशों में हैं। हां अंतर इतना है कि कम आय वाले देशों में समस्या अधिक गंभीर है। यह तो साफ हो गया है कि कुपोषण के कारण या यों कहे कि पौष्टिक आहार की सहज उपलब्धता नहीं होने के कारण सीधे सीधे स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार यदि लोगों को पौष्टिक आहार मिलने लगे तो पांच में से एक जान तो आसानी से बचाई जा सकती है। पौष्टिक भोजन नहीं मिलने की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 14.8 करोड़ बच्चे अविकसित हो रहे हैं तो 4.8 करोड़ बच्चे कम वजनी हो रहे हैं। केवल पौष्टिक आहार नहीं मिलने के कारण ही 50 लाख लोग डायबिटिज के शिकार हो रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान आईएफपीआरआई द्वारा हाल ही में जारी वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट इस मायने में और अधिक गंभीर हो जाती है कि लाख प्रयासों के बावजूद दुनिया की बहुत बड़ी आबादी को पोष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 2.2 अरब आबादी आज भी पोष्टिक आहार से वंचित है। इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है और लोग बीमारियों का आसान शिकार बन रहे हैं। मजे की बात यह है कि हमारी आदतों के कारण बहुत बड़ी मात्रा में एक और भोजन की बर्बादी हो रही है तो हमारी व्यवस्थाओं के चलते बड़ी मात्रा में या तो खाद्यान्न बेहतर रखरखाव के अभाव में खराब हो जाता है या फिर पोस्ट हार्वेस्टिंग गतिविधियों को विस्तारित व काश्तकारों तक तकनीक की पहुंच नहीं होने के कारण खराब हो जाता है। यानी की एक और हमारी आदतों के कारण तो दूसरी और खाद्यान्नों को सहेज के रखने की सही व्यवस्थाओं के अभाव में बेकार हो जाता है और इसका सीधे सीधे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

यह कोई पहला अवसर नहीं है जब इस तरह की रिपोर्ट जारी हो रही हो, बल्कि आईएफपीआरआई का यह सालाना कार्यक्रम है और पतिवर्ष इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हालात में सुधार हो रहा है पर जिस तरह का सुधार होना चाहिए था वह हो नहीं हो पा रहा है। यह किसी एक देश की समस्या हो ऐसा भी नहीं है, कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांष देशों में हैं। हां अंतर इतना है कि कम आय वाले देशों में समस्या अधिक गंभीर है। यह तो साफ हो गया है कि कुपोषण के कारण या यों कहे कि पौष्टिक आहार की सहज उपलब्धता नहीं होने के कारण सीधे सीधे स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार यदि लोगों को पौष्टिक आहार मिलने लगे तो पांच में से एक जान तो आसानी से बचाई जा सकती है। पौष्टिक भोजन नहीं मिलने की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 14.8 करोड़ बच्चे अविकसित हो रहे हैं तो 4.8 करोड़ बच्चे कम वजनी हो रहे हैं। केवल पौष्टिक आहार नहीं मिलने के कारण ही 50 लाख लोग डायबिटिज के शिकार हो रहे हैं। अधिक वजन और मोटापा आम होता जा रहा है। कुपोषण के कारण गैर संचारी बीमारियों की गिरफ्त आते जा रहे हैं।

हांलाकि दुनिया के देशों की सरकारें लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है। पर इसके प्रमुख कारणों में से सहज उपलब्धता, पहुंच का अभाव, सामर्थ्य यानी कि गरीबी या पर्याप्त आय नहीं होना है। सबसे अधिक वैश्विक स्तर पर हालातों से निपटने के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। दुनिया के देषों को मांग और आपूर्ति की व्यवस्था को भी देखना होगा। इस सबके साथ ही हमारी बदलती जीवन शैली जिसमें अपौष्टिक खाद्य व पेय पदार्थों का सेवन आम होता जा रहा है उस पर भी रोक लगानी चाहिए और जब तक सरकारों के प्रयास सफल नहीं होते तब तक हमें भी हमारी आदतों को सुधारने की पहल करनी ही होगी। इसके सब के साथ ही दुनिया के देशों के सिविक सेंस को भी सकारात्मक बनाना होगा। हांलाकि कई देशों में होटलों, रेस्ट्रा, सामूहिक आयोजनों सहित विभिन्न आयोजनों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए सक्रियता दिखाई है। पर यह उंट के मुंह में जीरे से अधिक नहीं है। ऐसे में हमें अन्न के एक एक दाने को बचाने की सोचना होगा। जिस तरह से पार्टियों में खाने की बर्बादी होने लगी हैं यह अपने आपमें गंभीर है। बुफे के खानें में इसको आसानी से देखा जा सकता है। भले ही यह हालात हमारे देश में हो कि आयोजनों में किस तरह से लोग बुफे स्टॉल पर टूट पड़ते हैं, खाने की प्लेट को एक ही बार में भर लेते हैं और फिर जूठन के रुप में डस्टबिन को समर्पित कर देते हैं। यह तस्वीर खाने की बर्बादी को दर्शा देती है। कमोवेश यह हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। अब सोचिये इस तरह से बर्बाद खाना कितने लोगों के पेट को भर सकता है। खाने का यह दुरुपयोग आसानी से रोका जा सकता है। इसके लिए प्रकृति या व्यवस्था को दोष नहीं दिया जा सकता। इसी तरह से खेत खलिहान में व्यवस्थाओं के अभाव में होने वाली कृषि उत्पादों का नुकसान भी कम किया जा सकता है। इस तरह से अन्न और खाद्यान्नों दोनों की बर्बादी को रोका जा सकता है तो दूसरी और यह सब जरुरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए विश्व खाद्य संगठन व इसी तरह की अन्य संस्थाएं आसानी से कर सकती है। सवाल सीधा सा है कि उपलब्ध खाद्यान्नों से ही समस्या को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है। इसके साथ ही दुनिया के देशों की सरकारों को अन्य उपायों पर भी ध्यान देना होगा ताकि लोगों को पौष्टिक आहार मिल सके।

बालाजीपुरम के श्रीकृष्ण मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

बैतूलबाजार। जिले के बैतूल बाजार स्थित प्रसिद्ध आस्था के केंद्र और प्राचीन श्री राधा-कृष्ण मंदिर बालाजीपुरम में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। दिन भर मंदिर में भजन कीर्तन चले, जहां दिन में महिला मंडल के द्वारा भजन किए गए। वहीं शाम को पुरुष मंडल के द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। पिछले कई दिनों से जन्माष्टमी पर्व को लेकर तैयारियां की जा रही थीं। मंदिर परिसर को बलून, फ्लावर और लाइटिंग से आकर्षक साज सजा की गई थी जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी थी। महिला मंडल के द्वारा भजन कीर्तन किए गए। इसके अलावा मंदिर परिसर में बनाए गए ऑडिटोरियम में भगवान श्रीकृष्ण के लिए झूला लगाया गया और श्रद्धालुओं ने उनको झूलाकर पूजा अर्चना की। इस मौके पर भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। देर रात तक चले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। रात्रि 12 बजे भगवान श्री कृष्ण के जन्म के अवसर पर महाआरती की गई। श्रद्धालुओं को प्रसादी भी वितरित की गई। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर 6 महिला मंडल के द्वारा भजन कीर्तन किए गए। इसके बाद शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में पुरुष मंडलों के द्वारा भजन कीर्तन किए गए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव झांकी

- ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित झांकी देखने उमड़े श्रद्धालु
- श्री कृष्ण के जीवन लीलाओं का झांकी द्वारा बताया आध्यात्मिक रहस्य

बैतूल। नारी शक्ति द्वारा संचालित आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्य शिक्षण संस्थान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वाधान में बैतूल नगर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के स्थानीय सेवाकेंद्र भाग्य विधाता भवन में श्री कृष्ण जन्माष्टमी झांकी का आयोजन किया गया। जिसमें श्री कृष्ण के जीवन के विभिन्न लीलाओं को झांकी के माध्यम से दिखाया गया। बैतूल सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने बताया कि यह झांकी श्री कृष्ण के जीवन लीलाओं के आध्यात्मिक रहस्य को समझने अर्थ बनाई गई है। जैसे श्री कृष्णा को माखन चोर कहा गया अर्थात श्री कृष्ण ने कोई स्थूल माखन नहीं चुराया अपितु लोगों के जीवन से उनके गुण रुपए माखन को चुराकर धारण किया और ऐसा श्रेष्ठ देव पद पाया। इसी प्रकार श्री कृष्ण का जेल में जन्म, वासुदेव जी का श्री कृष्ण को जमुना पार ले जाना, श्री कृष्ण की बाल लीलाएं, श्री कृष्ण का मां यशोदा के साथ खेल पाल करना इन सभी का कुछ न कुछ आध्यात्मिक रहस्य है जिसे समझ कर हम भी अपने जीवन को श्री कृष्ण जैसा गुणवान बना सकते हैं। जन्माष्टमी के दिन आयोजित झांकी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। इस झांकी में श्री कृष्ण की बाल लीलाओं के साथ ही सतयुगी दिव्य राज दरबार तथा राधा कृष्ण की झूला झूलते हुए झांकी सभी का मन मोह रही थी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर,समाजसेवी मीरा एंथोनी, पूर्व लायंस क्लब अध्यक्ष देशमुख जी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राजयोग के अभ्यास से आते हैं दिव्य गुण

सारणी से पधारी ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी ने बताया कि अगर हम भी अपने जीवन में इन देवी देवताओं जैसे दिव्य गुण धारी बनाना चाहते हैं और उनके सामान पू'य और दिव्य बनना चाहते हैं तो इसके लिए हमें राजयोग के माध्यम से परमपिता परमात्मा शिव के साथ संबंध जोडने की आवश्यकता है। परमात्मा के साथ स्नेहपूर्ण संबंध को ही राजयोग का नाम दिया गया है, जिसका प्रशिक्षण ब्रह्माकुमारी केंद्र पर निशुल्क रूप से दिया जाता है। इसे कोई भी व्यक्ति, किसी भी आयु, जाति या धर्म का हो, आकर सीख सकता है।

विवेक भोंदेकर को मिला जनसंपर्क अधिकारी का प्रभार

बैतूल। जिला जनसंपर्क विभाग के क्लर्क सरकारी बाबू विवेक भोंदेकर को सहायक संचालक जनसंपर्क श्री मुकेश दुबे अपना प्रभार सौंपकर बैतूल से रिलीव हो गए। अपने पिता की अनुकम्पा से नियुक्ति पाने वाले विवेक भोंदेकर बैतूल में जनसंपर्क अधिकारी के प्रभार में रहने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के शासकीय सेवक तृतीय वर्ग कर्मचारी है।

रेत का अवैध भंडारण करने पर जीत एशिया कंपनी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज

बैतूल। जिले में अवैध रेत उत्खनन के विरूद्ध चलाई जा रही मुहिम के तहत कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशों के अनुपालन में खनिज विभाग ने रेत का अवैध भंडारण किए जाने पर जीत एशिया कंपनी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए जाने की कार्रवाई की है। उप संचालक खनि मनीष पालेवार ने बताया कि हरदा रोड पर जीत एशिया के द्वारा रेत का अवैध भंडारण किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सहायक खनि अधिकारी बैतूल तथा खनिज अमले के द्वारा चिचोली तहसील के ग्राम हर्रई में स्थित निजी भूमि खसरा क्रमांक 108/2 रकबा 1.214 हेक्टेयर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। मौका निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मेसर्स जीत एशिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा टेमा गांव से चिचोली फोरलेन एनएच 47 का निर्माण कार्य किया जा रहा है तथा जांच के दौरान बिना अनुमति के खनिज रेत का भंडारण होना पाया गया। अवैध रूप से भंडारित रेत की मात्रा 10 घनमीटर पाई गई। उक्त कंपनी के विरुद्ध अवैध भंडारण का प्रकरण दर्ज कर मध्यप्रदेश (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम 2022 के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

नागपुर-बैतूल रेल खंड के अंतर्गत अवैध वेंडरों पर हुई कार्रवाई

48 अनाधिकृत विक्रेताओं को पकड़ा

बैतूल। मध्य रेल नागपुर मंडल ने अपने नेटवर्क के विभिन्न खंडों में अनधिकृत वेंडिंग गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। 1 अगस्त से 27 अगस्त, 2024 तक नागपुर मंडल के विभिन्न खंडों में कुल 48 अनधिकृत विक्रेताओं का पकड़ा। विभिन्न खंडों में पाए गए अनधिकृत विक्रेताओं का विवरण इस प्रकार है। नागपुर प्लेटफार्म/स्टेशन 29, पांढुर्ना-बैतूल खंड- 5,नागपुर-बैतूल खंड- 4 नागपुर-वर्धा खंड × बैतूल-नागपुर खंड-×, नागपुर-घोड़ाडोंगरी खंड- × बल्लारशाह-नागपुर खंड 1 अवैध वेंडर को पकड़ा है। यात्रियों से सतर्क रहने और पके हुए भोजन के पैकेट पर खाना पकाने की तारीख और समय का उल्लेख करने वाले स्टिकर की जांच करने का आग्रह किया जाता है। इन स्टिकर के बिना खाद्य पदार्थ नहीं खरीदे जाने चाहिए, और यह सलाह दी जाती है कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाना पकाने के समय से चार घंटे के भीतर भोजन का सेवन किया जाना चाहिए। यात्रियों को केवल रेल नीर पैके'ड ड्रिंकिंग वाटर ही खरीदना चाहिए, जो अधिकृत ब्रांड है।

पुलिस की सक्रियता से गुम बालिका को ढूंढ निकाला

बैतूल। नगर के महावीर वार्ड, मुलताई निवासी विनोद जैन की आठ वर्षीय बालिका भूमिका गुम हो जाने और आसपास काफी देर तक तलाश करने के बाद कहीं भी नहीं मिलने पर परिजनों द्वारा थाना मुलताई पहुंच कर बालिका के गुम हो जाने की सूचना थाने में दी गई थी। मुलताई पुलिस ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्परता से बालिका के गुम हो जाने की सूचना आसपास के क्षेत्र सहित मीडिया और सोशल मीडिया पर जारी कर बालिका की सूचना देने की अपील की गई। थाना प्रभारी राजेश सातनकर द्वारा बालिका की तलाश के लिए पुलिस टीम को नगर के अलग अलग क्षेत्र में भेजा गया और बालिका की पातासाजी के लिए सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खंगाली गई। थाना मुलताई में पदस्थ महिला प्रधान आरक्षक सोनू परमार द्वारा मटन मार्केट के क्षेत्र से बालिका को ढूंढ कर थाना लाया गया। जहां बालिका के माता पिता को बुलाकर भूमिका को उन्हें सौंप दिया गया। पुलिस ने सक्रियता से गुम हुई बालिका को ढूंढ निकाला, जिसके चलते भूमिका के माता पिता द्वारा पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

बैतूल-इंदौर हाईवे पर नाम के लिए बनाया अंडर ब्रिज, कैसे करें यहां से आवाजाही

मजबूरी में खतरा उठाकर फोरलेन से ही आवाजाही कर रहे ग्रामीण, नहीं हो रही सुनवाई

बैतूल। बैतूल-इंदौर नेशनल हाईवे (फोरलेन) का निर्माण तो कंपनी के द्वारा आनन फानन में कर दिया, लेकिन अब इसकी खामियां एक-एक कर उजागर हो रही है। आलम यह है कि जिन गावों के पास से फोरलेन बना है वहां ग्रामीणों के लिए आने-जाने के लिए रास्ता तक नहीं छोड़ा है। इससे यह नेशनल हाईवे उनके लिए आफत साबित हो रहा है। इस हाईवे पर स्थित ग्राम पंचायत जोगली के हौसीलाल गंगारे ने बताया कि जनता ने चक्काजाम किया तो अंडर ब्रिज बना दिया पर लोग इससे आवाजाही नहीं कर सकते। वजह यह है कि अंडर ब्रिज में पानी जमा रहता है। ऐसे में आने-जाने वालों को जान जोखिम में डाल कर फोरलेन पार करना पड़ता है।

प्राथमिक स्कूल के मेन गेट पर फोरलेन बनाने वाली कंपनी ने गड्ढा खोदा है। जिससे कंपनी ने मिट्टी तक नहीं हटाई ना स्कूल में आने जाने के लिए मार्ग बना कर दिया। इससे कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। मिट्टी की खुदाई होने से ब'चे अपनी जान जोखिम में डाल कर स्कूल में जाते हैं। इस मिट्टी के जमाव से अंडर ब्रिज के अंदर पानी

भरा हुआ है। इससे आने-जाने की व्यवस्था नहीं है। यहां जब ब्रिज बनना था तब बड़े अधिकारियों ने काम करने वाली कंपनी से कहा था कि आपको ब्रिज भी बनाना है और निकासी की व्यवस्था भी करना है। साथ ही फोरलेन पर चढने के लिए मार्ग बनाकर भी देना है। पर ब्रिज के पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। किसान फगन खोडसे, चमनलाल गावडे कहते हैं कि हमने आवेदन-निवेदन कर दिया पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। पंचायत में निवेदन कर दिया पर कोई काम नहीं हुआ। वहीं अंडर ब्रिज पर गड्ढे हो गए हैं, वे ही नही भरे जा रहे। जगह-जगह सडक की धज्जियां उड़ रही है।

मोहदा थाने के पुलिसकर्मियों ने बचाई 16 गोवंश की जान

बैतूल। पुलिस का अंदेशा लगते ही गोवंश को हकेलने वाले एवं पिकअप चालक को मोहदा थाना पुलिस ने पकड़ा। जानकारी के अनुसार पुलिस को 27 अगस्त को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कुनखेड़ी के पास जंगल में कुछ लोग पिकअप में भर कर एवं गोवंश को बांधकर मारते पीटते महाराष्ट्र कत्लखाने ले जा रहे है। सूचना मिलने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी के निर्देशन में एवं एसडीओपी भैंसदेही भूपेंद्र सिंह मौर्य के मार्गदर्शन में टीम गठित कर मौके पर रवाना किया। जहां कमल आर्य, निलेश, सुनील को सहयोग में लेकर पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल पर दबिश दी गई। पुलिस का अंदेशा लगते ही गोवंश को हकेलने वाले एवं पिकअप चालक भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पिकअप क्रमांक एमपी 48 जेडी 5058 के चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम नेकराम पिता प्रेम सलामे निवासी पाठ एवं पैदल गोवंश को हकेलने वाले ने अपना नाम बारीकराम पिता कुब्बा उइके एवं मानक राम पिता परस उइके दोनों निवासी बकईखेड़ा थाना चिचोली का बताया जिनके कब्जे से कुल 16 गोवंश को पुलिस द्वारा जप्त कर सुरक्षा में लेकर गौशाला में रखवाया गया एवं कमल पिता लखन आर्य निवासी रंभा थाना झल्लार की रिपोर्ट पर उक्त आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी मोहदा उनि नेपाल सिंह ठाकुर, सउनि अरुण लोही, आर सुरेंद्र की प्रमुख भूमिका रही।

महिला एवं बाल विकास संरक्षण पर कार्यशाला संपन्न

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज के स्वामी विवेकानंद सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं एनएसएस महिला इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के संरक्षण में, परियोजना अधिकारी निरजा शर्मा, जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, डॉ.अनिता सोनी, डॉ.अलका पांडे की उपस्थिति में आयोजित की गई। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास संरक्षण पर श्वेता शुक्ला द्वारा एकीकृत बाल विकास सेवा, कविता गड़वाल द्वारा प्रधानमंत्री वंदना योजना, भुवनेश्वरी मालवीय द्वारा लाडली लक्ष्मी योजना, प्रियंका चौधरी द्वारा लाडली छात्रवृत्ति योजना, विनोद इवने द्वारा आईसीपीएस की योजना, योगेश वर्मा द्वारा

बाल संरक्षण को समझाया गया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ.शीतल खरे ने, मंच संचालन कोमल देशमुख एवं आभार डॉ.सुखदेव डोगरे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में एनएसएस एवं एनसीसी की 100 छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोमल देशमुख, सुरभि जैन आदि का सराहनीय योगदान रहा।

चलते ट्रक से कूदा ड्राइवर, अस्पताल लाते समय रास्ते में ही तोड़ा दम

बैतूल। चलते ट्रक से कूद गए एक क्लीनर की इलाज के लिए जिला अस्पताल लाते समय मौत हो गई। वह ट्रक के साथ उड़ीसा गया था। घायल होने के बाद उसे बैतूल लाया जा रहा था। अस्पताल चौकी पुलिस मृतक का पोस्टमार्टम करवा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृतक कमल उईके नए गांव के गुलशन पवार के ट्रक पर क्लीनर था। कुछ दिनों पहले यह ट्रक उड़ीसा भेजा गया था। जहां सोलापुर जिले में यह युवक चलते ट्रक से कूद गया। इसके साथियों ने उसे घायल हालत में पहले उड़ीसा में ही भर्ती कराया। उसके बाद उसे गंभीर हालत छत्तीसगढ़ के रायपुर में भर्ती कराया गया था। यहां गाड़ी मालिक ने उसके घायल होने की सूचना उसके परिजनों को दी थी। रायपुर पहुंचे परिजन उसे अस्पताल से छुट्टी करवाकर बैतूल ला रहे थे। जहां उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। परिजनों के मुताबिक ट्रक मालिक ने रायपुर में भर्ती रहने के दौरान भी कोई मदद नहीं की। उन्हें ही अस्पताल का पूरा बिल भरना पड़ा। यह युवक उम्न बेहरा गांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से कमजोर हो गया था। इसी वजह से वह चलते ट्रक से कूद गया था।

महिला पार्षद ने कहा ताप्ती वार्ड में सुविधा नहीं तो कर नहीं

नगर पालिका पर लगाया पक्षपात का आरोप

बैतूल/मुलताई । ताप्ती वार्ड की पार्षद निर्मला उबनारे ने नगर पालिका के अधिकारी और कर्मचारियों से स्पष्ट का है कि उनके वार्ड में जलकर और अन्य करों की वसूली न की जाए, क्योंकि उनके वार्ड में किसी प्रकार का कोई काम नहीं हो रहा है, न ही वार्डवासियो को कोई सुविधा मिल रही है।

ना तो नाली निर्माण किया जा रहा है और ना ही मार्गों की रिपेयरिंग हो रही है। नगर पालिका के सीएमओ मुंह देखकर काम कर रहे हैं। ऐसे में वार्ड की जनता परेशान है और लोगों में भारी आक्रोश है, इसलिए उनके वार्ड में किसी भी प्रकार की वसूली नहीं की जाए। इधर सीएमओ

आरके इवनाती ने इन आरोपों को गलत बताया है, उनका कहना है कि नियम अनुसार काम किए जा रहे हैं। दरअसल नगर के ताप्ती वार्ड में बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस जाता है, इस वार्ड में नालियां नहीं होने से गंदगी फैली हुई है और सीवर लाइन प्रोजेक्ट के लिए पूरी सड़के खोद दी गई थी। जिसके कारण इस वार्ड में सड़कों की हालत खराब है, सड़के पूरी तरह से खराब हो चुकी है और वार्ड के लोग कई बार नाली निर्माण और सड़क की मरम्मत के लिए नगर पालिका में ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन हर बार वार्डवासियों को केवल आश्वासन मिलता है। ऐसे में वार्ड की पार्षद निर्मला उबनारे ने आज नगर पालिका के बने व्हाट्सएप ग्रुप सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म में इस प्रकार का मेसेज पोस्ट किया है।

रेवा साहित्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी संपन्न

नरसिंहपुर। रेवा साहित्य मंच कौड़िया की मासिक काव्य गोष्ठी मरहई माता दरबार में वरिष्ठ कवि नरेंद्र सराठे की अध्यक्षता व चंद्र भान मालवी के मुख्यातिथ्य में आयोजित हुई।सर्व प्रथम मां सरस्वती पूजन कर वरिष्ठ कवि पी एस पुराणिया द्वारा सरस्वती वंदना से काव्य गोष्ठी की शुरुआत हुई। फाग कवि शंकरलाल बैरागी ने कावर लेके डमरू घाटी सब नर नारी जा रहे बम बम भोले गा रहे रचना प्रस्तुत की वहीं चन्द्रभान मालवीय ने देशभक्ति रचना प्रस्तुत की। वयोवृद्ध कवि सीताराम नवगैया ने हिमालय के महायोगी सिद्धों में सिद्ध कहाय कविता कही,वरिष्ठ कवि नरेंद्र सराठे ने बिना छेड़ें ही बज जाए वो ऐसा साज होता है शीर्षक रचना सुनाकर वाहवाही लूटी।काव्य गोष्ठी का संचालन कर रहे कवि शिक्षक मलखान सिंह मेहरा ने सूखा सावन बीता बीती नीरस फीकी फाग कविता से समां बांधा ।कवि बृंदावन बैरागी ने राह कठिन है इस जीवन की हर कोई राह नहीं पाता रचना प्रस्तुत की।चिर्रिया से पधारे वरिष्ठ कवि पी.एस.पुराणिया ने आठों याम आराम कुछ तो करिए काम कविता से खूब तालियां बटोरीं। सभी कवियों द्वारा जिले के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ प्रकाश डोगरे को मौन श्रद्धान्जलि दी गई। कृष्णा द्वारा प्रस्तुत आभार प्रदर्शन से गोष्ठी सम्पन्न हुई।

मंत्री श्री सिंह का दौरा कार्यक्रम

नरसिंहपुर। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह शुक्रवार 30 अगस्त और शनिवार 31 अगस्त को जिले के प्रवास पर रहेंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री सिंह शुक्रवार 30 अगस्त को सुबह 11 बजे लोलरी से प्रस्थान कर सुबह 11.45 बजे गाडरवारा आयेंगे। वे यहां श्री पैलेस गाडरवारा में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे अपरान्ह 3.30 बजे गाडरवारा से बालाघाट जिले के लिए प्रस्थान करेंगे। मंत्री श्री सिंह शनिवार 31 अगस्त को शाम 4 बजे बालाघाट जिले के मानपुर से प्रस्थान कर नरसिंहपुर जिले के ग्राम लोलरी आयेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे।

श्रमोदय आदर्श आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

नरसिंहपुर। मप्र भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के बालकों व बालिकाओं के लिए श्रमोदय आदर्श आईटीआई में वर्ष 2024- 25 के लिए 8 ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है। यह प्रवेश प्रक्रिया डीएससी पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। यह जानकारी श्रम पदाधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

जिले में अब तक 857.5 मिमी अर्थात् 33.77 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 28 अगस्त तक की अवधि में औसत रूप से कुल 857.8 मिमी अर्थात् 33.77 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 28 अगस्त तक तहसील नरसिंहपुर में 791 मिमी, गाडरवारा में 1043 मिमी, गोटेगांव में 961 मिमी, करेली में 666 और तेन्दूखेड़ा में 828 मिमी वर्षा आंकी गई है।इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 1043 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 1188 मिमी, गाडरवारा में 1056 मिमी, गोटेगांव में 851 मिमी, करेली में 1206 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 914 मिमी वर्षा हुई थी। यह जानकारी अधीक्षक भू- अभिलेख नरसिंहपुर ने दी है।

कारगिल युद्ध में आधा दर्जन दुश्मनों को किया था ढेर

जांबाज सैनिक ने ली अंतिम सांस

बैतूल। ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ के घंघारे परिवार का देश की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस परिवार के रिटायर्ड सैनिक दीनदयाल घंघारे का बुधवार को आकस्मिक निधन हो गया। वे 75 वर्ष के थे। उन्होंने अपने जीवित रहते परिवार के ही तीन लोगों को आर्मी में सेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री कार्यकाल में भारत पाक युद्ध में बॉर्डर पर अपना साहस दिखलाया। इस दौरान आधा दर्जन पाक सैनिकों को ढेर किया। उन्होंने आर्मी से रिटायरमेंट के बाद जन सेवा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उनके आकस्मिक निधन से ग्राम खेड़ी सावलीगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। खेड़ी सावली गढ़ स्थित उनके निवास से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। ताप्ती घाट पर उन्हें उनके 'येष्ठ पुत्र ने मुखाग्नि दी। शवयात्रा में रिटायर्ड फौजी भाइयों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीणों ने शामिल होकर भारत माता के इस जांबाज सपूत को अंतिम विदाई दी। इस दौरान भी सभी उनके शौर्य की चर्चा करते रहे।

लोगों ने कहा दुकानें सड़क पर होंगी तो हम क्या हवा में उड़ें, शहर की यातायात व्यवस्था के बुरे हाल

दिनदहाड़े रेलवे कर्मियों के घरों में चोरी, मासूम के अपहरण के प्रयास के मामले में भी पुलिस के हाथ खाली, माना की पुलिस बल की कमी तो आखिर फिर लोग क्या करें

आमला। दिनदहाड़े शहर के व्यस्ततम इलाके से एक मासूम छात्र के अपहरण का प्रयास होता है, लगभग एक पखवाड़ा गुजर गया है पुलिस के हाथ खाली है, बीते दिवस शहर के रेलवे कॉलोनी में दो कर्मचारियों के घरों में चोरी हो जाती है पुलिस को कुछ पता नहीं है। शहर सहित आसपास के इलाकों में सट्टा जूंए के कारोबार फल फूल रहे हैं, इसके बारे में भी पुलिस को सही में कुछ पता नहीं है, अगर पता होता तो निश्चित ही कार्रवाई भी होती, शहर में रात्रि कालीन गस्त भी नहीं है, पुलिस बल की कमी है, जैसा कि हमें बताया गया है,शहर के ज्यादातर व्यस्ततम इलाकों में खासकर जनपद चौक, पीर मंजिल,साहू मार्केट, मेंन रोड, शनिवार बाजार रेलवे लाइन क्रॉसिंग इन इलाकों में खूब जोरदार जाम लगता है। लोग परेशान होते रहते हैं, कोई सुनने वाला नहीं है,ऐसे में शहर की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के बिगड़ने पर लोग हसरत भरी निगाहों से पुलिस की ओर देख रहे हैं,किंतु पुलिस इन तमाम माथा पच्ची से मानो दूर ही रहना चाहती है, ऐसे में लोग सवाल भी कर रहे हैं आखिरकार अब जाए तो जाए कहां। पूरे शहर की सुरक्षा व्यवस्था का आखिरकार अब क्या होगा, यहां ये सवाल लाजिमी भी है, आखिर ऐसे शहर तो नहीं चल पाएगा।

लोगों ने कहा सड़कों तक पसरी है दुकानें, वाहन कहां चलाएं

शहर में बीते कई वर्षों से यातायात व्यवस्था इस हाल में है कि अब वाहन चालकों के साथ-साथ सड़कों पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, और ऐसा कभी-कभी नहीं बल्कि प्रतिदिन ही शहर के पुराना थाना, मेंन मार्केट, साहू मार्केट, पीर मंजिल, जनपद चौक, शनिवार बाजार रेलवे लाइन क्रॉसिंग ये ऐसे इलाके हैं जहां प्रतिदिन ही लोगों को मुश्किलों से जूझना पड़ रहा है। इन इलाकों में सड़कों तक पसरी दुकाने यहां वहां खड़े वाहनों की कतारे, वाहन चालकों और पैदल राहगीरों की मुश्किलों को कई गुना तक बढ़ा देती हैं, इन इलाकों में कई स्कूल और शासकीय दफ्तर भी है, ऐसे में यहां के हालात और यहां की प्रतिदिन की मुश्किलों को आसानी से भी समझा जा सकता है। किंतु कोई कार्यवाही नहीं की जाती है, इस मौके पर वाहन चालकों का ये भी कहना है कि आमला शहर में यातायात व्यवस्था नहीं, यहां पूरी तरह जंगलराज है यहां सब कुछ अपनी मनमर्जी से ही तय होता है।

क्या पुलिस पर लोगों का भरोसा भी कम हुआ है: शहर में जिस तरह से कुछ घटनाएं सिलसिलेवार हुई है,और पुलिस का रवैया लोगों की अपेक्षा अनुसार नहीं दिखाई पड़ रहा है, तो ऐसे में लोगों का पुलिस के प्रति विश्वास भी कम हो रहा है। इसमें जनसाधारण की कुछ सामान्य तो चोरी जैसी कई घटनाओं को छोड़ भी दिया जाए तो भी शहर में पुलिस की अपेक्षित स्थलों पर अनुपस्थित कहीं ना कहीं लोगों को सवाल करने के लिए मजबूर कर रही है। इस मौके पर अभी कुछ समय पहले ही शहर के एक प्रतिष्ठित परिवार के मासूम बच्चों के अपहरण का असफल प्रयास किया गया था, तमाम संबंधित चीजो के बारे पीड़ित परिवार द्वारा पुलिस को बताया भी गया था, किंतु इस मामले में पुलिस के हाथ अभी तक खाली है, इस मौके पर पीड़ित पिता फूलचंद नारे ने हमें बताया है, कि उनको इस बात की भी हैरानी है कि उनके बच्चे का अपहरण का प्रयास किए हुए 15 दिनों से ज्यादा का समय हो गया है, किंतु पुलिस अभी तक कोई सुराग नहीं लगा पाई है, ऐसे में पुलिस के ढीले रवैये से अपराधियों के हौसले भी बुलंद होते हैं। इस मौके पर श्री नारे हमें यह भी बताया है कि हमारे परिवार पर अभी भी खौफ का साया बना हुआ है, यहां इस घटना से शहर के कई पालकों में भी डर बना हुआ है।

कहां कमजोर पड़ रही है पुलिस

शहर में अपराधों के अलावा सुरक्षा और यातायात जैसे मामले भी पुलिस के जिम्मे ही होता है,किंतु बीते लंबे समय से देखा जा रहा है कि ऐसे कई मामलों में लोगों का पुलिस के प्रति विश्वास कम हुआ है, हमने इस मौके पर कई लोगों से बात की जिसके मुताबिक शहर में पुलिस बल की भारी कमी,शहर के मुख्य चौक चौराहों पर सीसीटीवी का ना होना, यातायात पुलिस की कमी, आमला पुलिस के पास विशेष वाहनों की कमी आमला पुलिस को कमजोर बना रही है।

इनका कहना है..

हमारे पास अभी पुलिस बल की भारी कमी है ऐसे में यातायात व्यवस्था जैसे मामलों में कहीं-कहीं दिक्कतें आ रही है, फिर भी बेहतर व्यवस्था शहर को देने का प्रयास किया जा रहा है।

- सत्यप्रकाश सक्सेना थाना प्रभारी आमला

बच्चों के अपहरण के प्रयास के मामले में पुलिस सभी कड़ियों को जोड़ने का काम कर रही है,जल्दी ही किसी नतीजे पर पहुंच जाएंगे सट्टा और जुएं जैसे मामलों पर भी कार्रवाई की जाएगी, यातायात व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाएगा।

- कमला जोशी एडिशनल एसपी बैतूल

राष्ट्रीय खेल सप्ताह पर 'वॉकेथॉन'

देवास। हॉकी के महान् जादूगर पद्मश्री मेजर ध्यानचंद की जन्म जयंती ''29 अगस्त 2024 राष्ट्रीय खेल दिवस'' के अवसर पर दिनांक 26 से 31 अगस्त 2024 तक जिला कलेक्टर ऋषव गुप्ता व पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन में चलने वाले खेल सप्ताह में राष्ट्रीय खेल दिवस की पूर्व संध्या पर खेल और युवा कल्याण विभाग ,नेहरू युवा केन्द्र, हिन्द फौज के समन्वय से ''फिटनेस का डोज आधा घंटा रोज'' की संदेश रैली वॉकेथॉन का आयोजन किया गया इसमें बड़ी संख्या में युवाओ एवं वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। रैली को वरिष्ठ पत्रकार मोहन वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। युवाओं ने देश प्रेम के बुलंद नारे लगा कर आम समाज जन को प्रतिदिन 30 मिनिट देकर स्वयं की सेवा का संदेश दिया। वॉकेथॉन में हिन्द फौज से जितेन्द्र गोस्वामी,जाट समाज से यशवंत डागोरा,सत्यनारायण वर्मा,शतरंज संघ से पवन यादव शैलेन्द्र चन्द्रवंशी,राजीव श्रीवास्तव, स्वाती शिंदे,राहुल वर्मा,पंकज परमार आदि उपस्थित थे। आभार खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने माना।

मित्र कन्या शाला में तीन दिवसीय जन्माष्टमी महोत्सव में गूंजे श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारी, सजी सजीव झांकियां

सुबह सवेरे सोहागपुर। अंग्रेजी हुकूमत में स्थापित करीबन 125साल पुरानी मित्र कन्या शाला में तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण सम्पूर्ण पुरुष हैं बाकी सारी सृष्टि अर्धनारीश्वर स्वरूप में विकसित हुई, कृष्ण सुदामा की मित्रता जन्म जन्मांतर तक स्मरणीय रहेगी उक्त उद्गार मित्र कन्या शाला में तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के समापन अवसर पर बुधवार को शाला प्राचार्य डॉ संजीव शुक्ला ने व्यक्त किए। इस अवसर पर प्राचार्य के अलावा वरिष्ठ सदस्य गणेशराम मंडलोई, सुनीला मसीह, स्टेला मसीह उपस्थित थे। समापन पर शिक्षिकाओं गुड़िया रघुवंशी, रूपारानी ठाकुर, शहनाज खान, सोनाली यादव , कृतिका यादव , तनु आरसे के मार्गदर्शन में प्रत्येक कक्षा से विद्यार्थियों ने राधा कृष्ण एवं गोपी ग्वाल की वेशभूषा पहनकर भगवान श्रीकृष्ण के गोपियों संग रास की लीलाएं प्रस्तुत की । छात्र छात्राओं ने मनमोहक भजनों 'श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारी' राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी आदि की धुनों पर उत्कृष्ट नृत्यों की प्रस्तुति दी। वहीं नाटिका में अरे द्वारपालो कन्हैया से कह दो के दर पे सुदामा गरीब आ गया गीत पर नृत्य नाटिका के माध्यम से श्री कृष्ण सुदामा की अलौकिक मित्रता का सुंदर चित्रण किया गया। कार्यक्रम का संचालन तनु आरसे ने किया। उल्लेखनीय है कि शासन के आदेश के परिपालन में शाला में भगवान श्री कृष्ण जी का जन्मोत्सव हर्ष, आनंद उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इसके पूर्व तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के प्रथम दिवस पर राधा कृष्ण की झांकी सजाकर भगवान के जीवन वृत्त पर कई वक्ताओं ने सारगर्भित उद्बोधन दिए।, दूसरे दिन शाला परिसर में मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

भीमपुर के टेरम में डायरिया का कहर, 50 से जयादा पीड़ित, 10 गंभीर मरीज बैतूल रेफर

बैतूल। आदिवासी बाहुल्य भीमपुर ब्लॉक के ग्राम टेरम में डायरिया कहर बरपा रहा है। यहां आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण उल्टी दस्त से पीड़ित है, जिनका उपचार भीमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है इसके अलावा करीब 10 गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।मरीजों में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टेरम के ग्रामीण हैंडपंप का पानी पीने के लिए उपयोग कर रहे है।

आशंका है कि दूषित पेयजल की वजह से ग्रामीणों में डायरिया फैला है। फिलहाल मरीजों की हालत स्थिर बनी हुई है। चिकित्सकों की टीम सभी पर लगातार निगरानी रख रही है। गौरतलब है कि भीमपुर पहले भी मौसमी बीमारियों को लेकर संवेदनशील रहा है।

इनका कहना..

मैं आज बाहर हूं। भीमपुर क्षेत्र से डायरिया के मरीज जिला अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी मिली है। स्थिति नियंत्रण में है।कल तक सभी मरीज ठीक हो जाएंगे।

- डॉ. अशोक बारंगा, सीएस बैतूल

आमजन की लंबित मांग हुई पूर्ण, जल्द बनेगी शुभ नगर एवं श्रीजी पुरम की सड़कें

कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने करेली नगर पालिका एवं जनपद पंचायत ने लगभग 66 लाख रुपए की राशि विकास कार्य हेतु दी

नरसिंहपुर। करेली नगर पालिका एवं जनपद पंचायत के निवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है लंबे समय से लंबित पड़ी सड़कों के निर्माण की मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। शुभ नगर और श्रीजी पुरम की सड़कों के निर्माण की योजना को मंजूरी मिल गई है और इसके लिए आवश्यक राशि भी उपलब्ध कराई जा चुकी है। कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने करेली नगर पालिका एवं जनपद पंचायत को विकास कार्यों के लिए लगभग 66 लाख रुपए की राशि प्रदान की है इस राशि का उपयोग शुभ नगर और श्रीजी पुरम की सड़कों के निर्माण के साथ-साथ अन्य विकास कार्यों में किया जाएगा मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़कों की हालत सुधारने से न केवल क्षेत्र की सुंदरता में वृद्धि होगी, बल्कि आमजन के जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। लोगों को लंबे समय से हो रही असुविधा का समाधान होगा, और यातायात व्यवस्था भी सुगम बनेगी

जनता की मांगों को मिली सुनवाई: शुभ नगर और श्रीजी पुरम के निवासियों द्वारा सड़कों की हालत को लेकर कई बार मांग उठाई जा चुकी थी। खराब सड़कों के कारण यहां की जनता को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था बरसात के मौसम में जलभराव और कीचड़ की समस्या और भी गंभीर हो जाती थी।

अव्यवस्थित नगर में सदस्यता अभियान का जश्न किस खुशी में निजी हित या पार्टी के पक्ष में

नर्मदापुरम। इन दिनों नगरपालिका और नगर दोनों की हालत बेहतर नहीं, नगरपालिका में जहां अधिकारी कर्मचारी काम करना नहीं चाहते, वहीं नगरीय व्यवस्था को कोई व्यवस्थित करने के पक्ष में नहीं है एक आखिरी उम्मीद नगरीय व्यवस्था के लिए सिटी मजिस्ट्रेट की जो प्रशासन ने बनाई वह तक फेल नजर आ रही। नगर, नगरपालिका और सिटी मजिस्ट्रेट का काम्बों एक दूसरे के न तो काम आ रहा है ना कोई व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा जिसपर दायित्व भार हो।

नगरपालिका सूचना का अधिकार के तहत मांगी जा रही जानकारी देने में कतरा रही, फिर सिटी मजिस्ट्रेट को बीच-बीच में नगर भ्रमण कर व्यवस्थाओं की कमी को लेकर नपाधिकारी, नगरीय परिषद से चर्चा कर समाधान का मार्ग निकलवाना चाहिए जहां नागरिक गलती कर रहे नियमों का पालन नहीं कर रहे उसके खिलाफ ऐक्शन लेना चाहिए पर ऐसा यहां कुछ नहीं, सिटी मजिस्ट्रेट बारिश से नगरीय अव्यवस्था के दौरान नगरपालिका अधिकारी के साथ नगर का दौरा करते हुए देखा गए थे जिसमें नपाध्यक्ष

की जगह विधायक प्रतिनिधि उपस्थित थे। उसके बाद व्यवस्थाओं को लेकर नगर में फिर शून्यता आ गई। महत्वपूर्ण त्योहार आ कर निकल गये शांत नगर में ऐसी कोई घटना नहीं घटी जो प्रशासन के कान गरम कर पाए लेकिन अव्यवस्थाओं ने नागरिकों को कितना परेशान किया इसका अंदाजा किसे.? कसेरा बाजार में सड़क किनारे नाली नहीं होने का दुष्परिणाम बर्तन व्यापारी को सड़क पर एकत्रित पानी के थपेड़े से बचने के लिए सामग्रियां पोलीथीन लगा कर रखना पड़ रही। गाड़ियों की आवा-जाही के दौरान कीचड़ पानी उचटने से झगड़े हो रहे इस मार्ग से निकल रहे रसूखदार तक इस मार्ग की दुर्दशा पर प्रशासन के कान उमेठ नहीं पा रहे न कोई चिट्ठी लिख पा रहे..! पहले यहां बेतरतीब निर्माण और होने वाले अतिक्रमण को लेकर वे जरूर सजग थे। नगरपालिका परिषद की उपलब्धि में नगर रात को अंधेरे में गुजार रहा है प्रभाव शालियों के खम्भे पर जरुर रोशनी टिमटिमाकर उनके रसूख का प्रभाव जता रही, आम जनता वाहनों की रोशनी में आवागमन करने को मजबूर हैं। व्यस्ततम क्षेत्र बस-स्टैंड तक में पानी उपलब्ध नहीं हो रहा, बामुश्किल दस पन्द्रह मिनट पानी उपलब्ध कराया जा रहा बस-स्टैंड पर जबकि ट्यूबवेल उपलब्ध है। साफ-सफाई व्यवस्था सुचारू नहीं, दो दर्जन पार्षदों ने नपाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं इन सबके बावजूद विधायक की चुप्पी का राज जिन्होंने उन्हें वोट दिया वो भी समझ नहीं पा रहे। विधायक इटारसी में उत्तराधिकारी छोड़कर जाने की बात सार्वजनिक कर रहे और यहां पार्टी सदस्यता के लिए अभियान के लिए जश्न मना रहे ऐसे में पार्टी के जिम्मेदारों से तो पूछा ही जा सकता है कि यह सदस्यता अभियान निजी लाभ के लिए या पार्टी हित किसके लिए चला रही..?

पूरे साल 'गुड-डे' कैटेगिरी में रहा भोपाल

पीसीबी की मीटिंग हुई, राजधानी में चल रहा 'नेशनल क्लीन एयर' प्रोग्राम

भोपाल (नप्र)। भोपाल पूरे साल ही 'गुड-डे' कैटेगिरी में रहा। ये पर्यावरण के नजरिये से बेहतर है। राजधानी 'नेशनल क्लीन एयर' प्रोग्राम में शामिल हैं। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल की बुधवार को मीटिंग हुई। इसमें यह जानकारी सामने दी गई। कमिश्नर संजीव सिंह को पीसीबी के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल शहर में पर्यावरण की दृष्टि से वर्ष 2024 में अभी तक सभी दिन 'गुड-डे' रहे हैं। साल 2019 में 94 प्रतिशत, वर्ष 2020 में 92 प्रतिशत, वर्ष 2021 में 93 प्रतिशत, वर्ष 2022 में 96 प्रतिशत और वर्ष 2023 में 94 प्रतिशत दिन पर्यावरण के मानकों की दृष्टि से 'गुड-डे' माने गए।

कमिश्नर बोले- साल के बाकी दिनों में भी ऐसे ही प्रयास हों

कमिश्नर सिंह ने कहा, साल के बाकी दिनों में भी ऐसे ही प्रयास हो कि शहर इसी कैटेगिरी में रहे। बैठक में प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय संचालक बृजेश शर्मा भी मौजूद थे।

भोपाल-इंदौर समेत 7 शहर शामिल: बैठक में बताया कि भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देश में 'नेशनल क्लीन एयर' प्रोग्राम चलाया है। जिसमें भोपाल सहित प्रदेश के इंदौर, सागर, देवास, उज्जैन, ग्वालियर एवं जबलपुर शहर शामिल हैं। अभियान में केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 तक पर्यावरण मानक 'पीएम10' की सघनता में 40 प्रतिशत कमी का लक्ष्य निर्धारित किया है।

भोपाल में 7 जगहों पर वायु गुणवत्ता का आकलन

भोपाल शहर में वायु गुणवत्ता मानीटरिंग का आंकलन 7 स्थानों पर किया जा रहा है। जिनमें 4 स्थानों पर यह मूल्यांकन मैन्युअली और तीन स्थानों पर कन्टीन्यूअस आटोमेटेड स्टेशन के माध्यम से किया जा रहा है। बैठक में शहर में पर्यावरण सुधार के लिए ई-व्हीकल का इस्तेमाल बढ़ाए जाने, वाहनों के पीयूसी सर्टिफिकेट की जांच किए जाने, लेफ्ट टर्न की संख्या बढ़ाए जाने, निर्माणाधीन भवनों में ग्रीन नेट लगाए जाने, भवनों के मलबे आदि का निपटारा किए जाने, पलारी न जलाए जाने, शहर में संचालित कोयले/लकड़ी के तंदूरों को क्लीन फ्यूल में बदले जाने आदि सुझाव दिए गए। कमिश्नर सिंह ने सुझावों पर अमल के निर्देश संबंधितों को दिए। पर्यावरण सुधार के लिए भारत के स्वच्छतम शहरों की सक्सेस स्टोरी अध्ययन कर उसका अनुकरण किए जाने के निर्देश भी दिए गए।

सीएम डॉ. यादव बोले- देश को गुमराह कर रही कांग्रेस

सदस्यता अभियान के कार्यक्रम में कहा- हर बूथ पर फोकस करना है

भोपाल (नप्र)। बीजेपी मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की बैठक का शुभारंभ सीएम मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने दीप प्रज्जवलन करके किया। बीजेपी मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की बैठक का शुभारंभ सीएम मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने दीप प्रज्जवलन करके किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संगठन पर्व हमारे लिए सबसे बड़ा त्यौहार है। हमें गर्व है कि विश्व की बड़ी पार्टी हमारी है। हम सामूहिक रूप से एक साथ पार्टी के संगठन पर्व के सदस्यता अभियान को सफल बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी दो दृष्टि से आगे बढ़ रही है।

पहला देश की संस्कृति और दूसरा लोकतंत्र के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता है। देश की संस्कृति और लोकतंत्र के प्रति निष्ठा के दृष्टिकोण ने हमें सबसे अलग रखा है। हम अपने संगठन पर्व के सदस्यता अभियान को हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा झूठ बोला है। चालाकी की है। संविधान के नाम पर कांग्रेस देश को गुमराह कर रही है। महात्मा गांधी ने आजादी के बाद कांग्रेस को खत्म करने को कहा था, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे नहीं माना। अब भी कांग्रेस सुधरने का नाम नहीं ले रही। सीएम यादव ने यह बात बुधवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर बुलाई गई मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की बैठक में कहीं। सदस्यता अभियान को लेकर मोर्चा और प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की बैठक में बीजेपी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा समेत अन्य नेताओं ने कार्यशाला की शुरुआत की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि सदस्यता अभियान के दौरान हमें हर बूथ पर फोकस करना है। डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने के लिए जो लक्ष्य पार्टी ने तय किया है, उसे पूरी शिद्दत से हासिल करना है।

3 सितंबर को सीएम के साथ शुरू करेंगे सदस्यता अभियान: बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- 2 सितंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्य बनाएंगे। इसके बाद तीन सितम्बर को सीएम मोहन यादव के साथ सदस्यता अभियान शुरू करेंगे। 11 से 17 सितम्बर तक सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी सदस्यता अभियान का कार्यक्रम विशाल रूप में हर बूथ पर चलेगा। शर्मा ने कहा कि डेढ़ महीने के सदस्यता अभियान कार्यक्रम के दौरान टारगेट के अधिक सदस्य बनाने का काम पार्टी के कार्यकर्ता करेंगे। शर्मा ने कहा कि आज सदस्यता अभियान को लेकर सातों मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और पदाधिकारी शामिल हुए हैं और इन सबको मोर्चा स्तर के साथ क्षेत्रीय स्तर पर सभी समाज के लोगों को सदस्य बनाने के लिए कहा गया है।

सदस्यता जितनी निश्चित होगी, जीत उतनी सुनिश्चित होगी

हर बूथ पर 200 सदस्य बनाने का टारगेट पार्टी ने तय किया है तो उसे पाने के लिए सभी को ताकत से जुटना होगा। संगठन नेताओं ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को 15 हजार बूथों पर हार का सामना करना पड़ा है। इन सीटों पर ज्यादा फोकस करना है और यहां अधिक से अधिक सदस्य बनाना है। बीजेपी सदस्यों की संख्या बढ़ाकर जीत का फासला बढ़ाना है। हमारी सदस्यता जितनी ही निश्चित होगी, उतनी ही जीत सुनिश्चित होगी। इसलिए सदस्यता अभियान को सफल बनाने में कोई कसर नहीं रखना है।

मप्र में 7 पुलिस अधिकारियों के तबादले

अरुण कुमार मिश्रा को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ एसपी बनाया

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश शासन ने मंगलवार को देर रात सात पुलिस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इनमें 35वीं वाहिनी, बिसबल के उप सेनानी अरुण कुमार मिश्रा को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, भोपाल में पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से राजेश कुमार मिश्रा को लोकायुक्त संगठन के विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इंदौर स्थित लोकायुक्त संगठन के विशेष पुलिस स्थापना से सव्यसाची सर्राफ को भोपाल पुलिस मुख्यालय के सहायक पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। ग्वालियर लोकायुक्त संगठन से रामेश्वर सिंह यादव को इंदौर में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। भोपाल लोकायुक्त संगठन से मनु व्यास को रीवा जोन में सहायक पुलिस महानिरीक्षक, इंदौर विशेष शाखा में जोनल पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय को लोकायुक्त संगठन में पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इसी तरह, इंदौर आर्थिक अपराध शाखा में तैनात धनंजय शाह को भोपाल पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है।

30 अगस्त से आधे प्रदेश में भारी बारिश

रतलाम रेल मंडल की 8 ट्रेन कैंसिल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा समेत कई जिलों में आज धूप खिली है। सीधी-सिंगरौली में तेज बारिश के आसार हैं। इंदौर, उज्जैन में हल्की बारिश होगी। वहीं, 30-31 अगस्त से स्ट्रॉन्ग सिस्टम बन रहा है। ये प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के 28 जिलों में भारी बारिश कराएगा। पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, नर्मदापुरम, चंबल और उज्जैन संभाग में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक प्रकाश दावले ने बताया, लो प्रेशर एरिया सिस्टम आगे बढ़ गया है। मानसून ट्रफ सागर से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर पहुंच रहा है। इससे दो दिन भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। 29 अगस्त तक प्रदेश में कहीं भी तेज बारिश की संभावना नहीं है।

वडोदरा में जलजमाव, रतलाम रेल मंडल की 8 ट्रेन कैंसिल

वडोदरा में रेलवे ब्रिज पर जल जमाव के कारण रतलाम रेल मंडल से गुजरने वाली 8 ट्रेन निरस्त कर दी गई हैं। वहीं, एक ट्रेन का रूट डायवर्ट किया गया है।

ये 8 ट्रेन कैंसिल

12925 मुम्बई सेंट्रल-अमृतसर एक्सप्रेस
12917 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस
12951 मुम्बई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस
09324 इंदौर-पुणे स्पेशल एक्सप्रेस
09323 पुणे-इंदौर स्पेशल एक्सप्रेस
12926 अमृतसर-मुम्बई सेंट्रल एक्सप्रेस।

राज्यपाल श्री पटेल की कुशलक्षेम की जानकारी लेने मुख्यमंत्री डॉ. यादव एम्स भोपाल पहुँचे

मुख्यमंत्री ने ओपीडी में मौजूद मरीजों और उनके परिजन से की चर्चा

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की कुशलक्षेम की जानकारी लेने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल पहुँचे। मुख्यमंत्री ने एम्स परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में बताया कि राज्यपाल श्री पटेल वायरल फीवर के कारण 2 दिन पहले इलाज के लिए एम्स भोपाल आए थे। अब उनका स्वास्थ्य बेहतर है और वे शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ के बाद अपने निवास पहुँचेंगे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर हो रहा है सुधार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल की ओपीडी में मौजूद मरीजों और उनके परिजन से भी कुशलक्षेम पूछी और संस्थान की व्यवस्थाओं तथा मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल की व्यवस्थाओं के संबंध में संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान के संचालक और समस्त स्टॉफ सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं। इसी का परिणाम है

कि केंद्र सरकार द्वारा भोपाल को एम्स के रूप में दी गई सौगात के प्रति जन-सामान्य का विश्वास और भरोसा दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। पात्र मरीजों को आयुष्मान कार्ड का भी यहां लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है, इसके लिए हम सब उनके आभारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल के कुशल संचालन के लिए वहां के समस्त डॉक्टर और स्टॉफ को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बालाघाट के ड्रग इंस्पेक्टर की रोड एक्सीडेंट में मौत

ट्रक की टक्कर से कार से नीचे फिंके; जन्माष्टमी मनाकर छिंदवाड़ा से लौट रहे थे

छिंदवाडा (नप्र)। छिंदवाड़ा में बालाघाट रोड पर एक्सीडेंट में बालाघाट के ड्रग इंस्पेक्टर की मौत हो गई। ड्रग इंस्पेक्टर विवेकानंद यादव बुधवार शाम 4 बजे छिंदवाड़ा से बालाघाट लौट रहे थे। चौरई बाइपास के पास कार को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा चपटा हो गया। ड्रग इंस्पेक्टर कार से बाहर फिंककर नीचे गिरे। सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। विवेकानंद यादव पहले छिंदवाड़ा में भी ड्रग इंस्पेक्टर रह चुके हैं। वर्तमान में बालाघाट में पोस्टेड थे। पुलिस के मुताबिक, विवेकानंद कार को खुद ड्राइव कर रहे थे। चौरई बाईपास पर उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी।

परिवार के साथ जन्माष्टमी मनाने छिंदवाड़ा आए थे: विवेकानंद परिवार के साथ जन्माष्टमी मनाने के लिए छिंदवाड़ा आए थे। छिंदवाड़ा में उनकी पत्नी और दो बच्चे रहते हैं। जन्माष्टमी मनाने के बाद वे एक दिन बाद 27 अगस्त को लौटने वाले थे, लेकिन उन्हें परिवार ने रोक लिया था। जिसके बाद वे बुधवार दोपहर में छिंदवाड़ा से बालाघाट के लिए निकले थे।

स्टेट फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने जताया दुख: विवेकानंद यादव करीब 8 साल तक छिंदवाड़ा में ड्रग इंस्पेक्टर रहे। 1 साल पहले ही उनका तबादला बालाघाट हो गया था। घटना पर स्टेट फार्मासिस्ट एसोसिएशन (एमपी) ने दुख जताया है।

ईओडब्ल्यू ने रेरा चेयरमेन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की

भ्रष्टाचार और नियमों के उल्लंघन नियुक्तियों में गड़बड़ी के आरोप हैं

भोपाल (नप्र)। ईओडब्ल्यू ने मध्य प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के चेयरमैन एपी श्रीवास्तव के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। उन पर भ्रष्टाचार और नियमों के उल्लंघन के आरोप हैं। शिकायत प्रभाष जेटली नाम के व्यक्ति ने दर्ज कराई है। जिसमें श्रीवास्तव पर रेरा में नियुक्तियों में गड़बड़ी करने और एक बिल्डर से आवासीय भूखंड लेने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

पांढुर्णा में दूषित पानी से दो की मौत,34 भर्ती

ग्रामीण बोले- अचानक उल्टी-दस्त होने लगे; स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची

पांढुर्णा (नप्र)। पांढुर्णा जिले के बोरपानी गांव में दूषित पानी से दो लोगों की मौत हो गई। 34 लोगों को पांढुर्णा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीएचई विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची है। यहां शिविर लगाकर ग्रामीणों का चेकअप किया जा रहा है। मंगलवार देर रात करीब 20 लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी। उल्टी-दस्त होने लगे। रात 2 बजे से सुबह 7 बजे तक सिविल अस्पताल में मरीजों को लाने का सिलसिला जारी रहा। इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे के बाद 16 और लोगों को तबीयत बिगड़ने पर एम्बुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीएमओ डॉ. दीपेंद्र सलामे ने बताया, उल्टी-दस्त के कारण देवाची उईके (45) और झनका बाई धुर्वे की मौत हुई है। दोपहर 12 बजे तक कुल 34 मरीज भर्ती हुए हैं। पांढुर्णा सिविल अस्पताल में 18 लोग भर्ती हैं। सभी को उल्टी-दस्त की शिकायत है।

ग्रामीण ने कहा- ट्यूबवेल से गंदा पानी आ रहा: ग्रामीण छोटेलाल धुर्वे ने बताया, गांव के लोग नदी के पास ट्यूबवेल से पानी पीते हैं। कुछ दिन से ट्यूबवेल से गंदा पानी आ रहा है। हो सकता है इसी पानी को पीने के कारण सभी की तबीयत बिगड़ी। पीएचई विभाग के एसडीओ सुभाग गाडगे ने बताया, पानी का सेंपल लेकर ट्यूबवेल को बंद कर दिया है। ग्राम पंचायत को गांव में साफ-सफाई और ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव करने के निर्देश दिए हैं।

इनका अस्पताल में इलाज चल रहा

अक्षत पिता सुखदेव इवनाती, शांति संदीप धुर्वे, रोहित विजय धुर्वे, रमफू सीताराम धुर्वे, अमीना रमफू, मनीषा वसंता परतेती, मनोज सुखा उईके, विवेक जागत राम धुर्वे, छोटेलाल मेरे सिंह धुर्वे, कलावती छोटेलाल धुर्वे, वेदांत रजत उईके, रागिनी अलीराम मर्सकोले, रुचिना रमेश उईके, सायली मेंहबाब धुर्वे, पूजा उईके सहित अन्य लोग शामिल हैं।